महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप
अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(सत्र 2021-22)

कार्यक्रम-विवरण
Programme Details

1. **कार्यक्रम का नाम (Name of theProgramme)** :**भाषाविज्ञान में स्नातक**
2. **कार्यक्रम कोड (Code of theProgramme)** : **GLG**
3. **क्रेडिट (Credit)** : **160**
4. **सेमेस्टर (Semesters)** : **08**
5. **कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** : **04 वर्षीय कार्यक्रम हेतु**

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय, वर्धा
भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी विभाग

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप
अधिगम परिणाम आधारित पाठ्यक्रम संरचना
Learning Outcome based Curriculum Framework (LOCF)
(सत्र 2021-22)

कार्यक्रम-विवरण
Programme Details

6. **कार्यक्रम का नाम (Name of theProgramme)** :**भाषाविज्ञान में स्नातक**
7. **कार्यक्रम कोड (Code of theProgramme)** : **GLG**
8. **क्रेडिट (Credit)** : **160**
9. **सेमेस्टर (Semesters)** : **08**
10. **कार्यक्रम संरचना (Programme Structure)** : **04 वर्षीय कार्यक्रम हेतु**

सेमेस्टर	प्रकार (Type)	कोड (Code)	क्रेडिट (Credit)	नाम (Name)	स्तर (Level)
प्रथम सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S1C1	04 क्रेडिट	भाषा और भाषाविज्ञान : परिचय (Language and Linguistics : An Itroduction)	सर्टिफिकेट
		GLG-S1C2	04 क्रेडिट	स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान (Phonetics & Phonology)	
		GLG-S1C3	04 क्रेडिट	रूपविज्ञान (Morphology)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
द्वितीय सेमेस्टर		GLG-S2C1	04 क्रेडिट	वाक्यविज्ञान-01 (Syntax-1)	

	मूल (core)	GLG-S2C2	02 क्रेडिट	अर्थविज्ञान-01 (Semantics-01)	
		GLG-S2C3	02 क्रेडिट	भाषा और कंप्यूटर (Language and Computer)	
		GLG-S2C4	04 क्रेडिट	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान (Applied Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
तृतीय सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S3C1	04 क्रेडिट	वाक्यविज्ञान-02 (Syntax-02)	**डिप्लोमा**
		GLG-S3C2	04 क्रेडिट	भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता (Interdisciplinarity of Linguistics)	
		GLG-S3C3	04 क्रेडिट	ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान (Historical & Comparative Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
चतुर्थ सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S4C1	04 क्रेडिट	समाजभाषाविज्ञान (Sociolinguistics)	
		GLG-S4C2	04 क्रेडिट	मनोभाषाविज्ञान (Psycholinguistics)	
		GLG-S4C3	04 क्रेडिट	अर्थविज्ञान-02 (Semantics-02)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
पंचम सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S5C1	04 क्रेडिट	भारतीय भाषा चिंतन (Indian Language Thought)	**डिग्री**
		GLG-S5C2	04 क्रेडिट	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान (Cognitive Linguistics)	
		GLG-S5C3	04 क्रेडिट	कार्पस भाषाविज्ञान (Corpus Linguistics)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
षष्ठ सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S6C1	04 क्रेडिट	भाषा शिक्षण (Language Teaching)	
		GLG-S6C2	04 क्रेडिट	कोशविज्ञान एवं कोशनिर्माण (Lexicology and Lexicography)	
		GLG-S6C3	04 क्रेडिट	पाश्चात्य भाषा चिंतन (Western Language Thought)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
सप्तम सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S7C1	04 क्रेडिट	आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत और मॉडल (Modern Linguistic Theories & Models)	**ऑनर्स**
		GLG-S7C2	04 क्रेडिट	प्रोक्ति-विश्लेषण और प्रकरणार्थविज्ञान (Discourse Analysis and Pragmatics)	

		GLG-S7C3	04 क्रेडिट	भाषा नियोजन और भाषा प्रबंधन (Language Planning & Language Management)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
अष्ट सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S8C1	04 क्रेडिट	भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन (Language Technologyand NLP)	
		GLG-S8C2	04 क्रेडिट	भाषा सर्वेक्षण (LanguageSurvey)	
		GLG-S8C3	04 क्रेडिट	शैलीविज्ञान (Stylistics)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		

(अथवा) ऑनर्स /अनुसंधान

सप्तम सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S7C1	04 क्रेडिट	आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत और मॉडल (Modern Linguistic Theories & Models)	**ऑनर्स /अनुसंधान**
		GLG-S7C2	04 क्रेडिट	शोध प्रविधि (Research Methodology)	
		GLG-S7C3	04 क्रेडिट	शोध परियोजना (Research Project)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
अष्ट सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S8C1	04 क्रेडिट	भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन (Language Technologyand NLP)	
		GLG-S8C2	04 क्रेडिट	भाषा सर्वेक्षण (Language Survey)	
		GLG-S8C3	04 क्रेडिट	भाषाविज्ञान में शोध (Research Methodology in Linguistics)	
	परियोजना कार्य सप्तम सेमेस्टर से जारी।				
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा और भाषाविज्ञान : परिचय
(Language and Linguistics : An Introduction)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S1C1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- I
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

भाषाविज्ञान पाठ्यचर्या में भाषा का स्वरुप, अवधारण एवं परिभाषा को सम्मिलित किया गया है। साथ ही भाषाविज्ञान के सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष को भी शामिल किया गया है। इसके साथ ही अन्य क्षेत्रों के साथ भाषा के संबंधों को भी दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के सम्यक अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदुओं को गहराई से जान पाएंगे।

1. भाषाविज्ञान की अवधारण और स्वरूप
2. भाषाविज्ञान के प्रकार और भाषाविज्ञान के अंग
3. भाषाविज्ञान का अनुप्रयुक्त पक्ष
4. भाषा का अन्य विषयों से संबंध

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा क्या है?**	**06**	**02**	**02**	**10**	**20%**
मॉड्यूल-2	**भाषाविज्ञान-अवधारण एवं स्वरूप**	**06**	**03**	**03**	**12**	**20%**
2.1	भाषाविज्ञान : सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त पक्ष	**2**				
2.2	भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता	**2**				
2.3	भाषाविज्ञान के प्रकार (ऐतिहासिक, तुलनात्मक एवं वर्णनात्मक)	**2**				
मॉड्यूल-3	**भाषाविज्ञान के अंग**	**16**	**02**	**02**	**20**	**20%**
3.1	स्वनविज्ञान, स्वनिमविज्ञान	**3**				
3.2	रूपविज्ञान	**3**				
3.3	वाक्यविज्ञान	**4**				
3.4	प्रोक्ति विश्लेषण	**3**				
3.5	अर्थविज्ञान	**3**				
मॉड्यूल-4	**भाषाविज्ञान का अनुप्रयुक्त पक्ष**	**12**	**03**	**03**	**18**	**20%**
4.1	भाषा शिक्षण	**3**				
4.2	कोशविज्ञान	**3**				
4.3	अनुवाद	**3**				
4.4	कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान	**3**				
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम

विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. बोरा, राजमल, (2007), भाषाविज्ञान, दिल्ली: National Publishing house. 2. पाण्डेय, कैलाश नाथ, (2006),भाषाविज्ञान का रसायन, गाजीपुर: गाजीपुर साहित्य संसद 3. शर्मा, देवेन्द्र, (2001), भाषाविज्ञान की भूमिका,नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 4. Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P. 5. David, C. (2010). The Cambridge Encyclopedia of Language. Cambridge:

		Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. शर्मा, राजमणि. (चतुर्थसंस्करण2007). *आधुनिकभाषा-विज्ञान*.नयीदिल्ली : वाणीप्रकाशन. 2. द्विवेदी, कपिलदेव. (2014). *भाषा-विज्ञानएवंभाषा -शास्त्र* .वाराणसी : विश्विद्यालयप्रकाशन . 3. Chomsky, N. (1986). Knowledge of Language: Its nature, origin, and use. New York: Praeger. 4. Fromkin, V., & Rodman, R. (1998). An Introduction to Language. 6th edn, Fort Worth: Harcourt Brace. 5. Harnish, R. M., ed. (1994). Basic topics in the philosophy of language. Englewood Cliffs, N.J.: Prentice-Hall. 6. Hymes, D. H., ed. (1964). Language in culture and society. New York: Harper and Row. 7. Block, B. & Trager, G. L. (1972). Outline of Linguistic analysis. New Delhi: MunshiramManoharlal. 8. Bloomfield, L. (2012). Language. Delhi: Motilal Banarasi Das.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान
(Phonetics and Phonology)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S1C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	12
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	08
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान पाठ्यचर्या में भाषा में प्रयुक्त ध्वनियाँ, उनका वर्गीकरण, विश्लेषण आदि से संबंधित कार्यों को शामिल किया गया है। इसके पहले मॉड्यूल में स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप, इसकी शाखाएँ, वागवयव, उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न को दिया गया है। दूसरे और तीसरे मॉड्यूल में खण्ड (स्वर/व्यंजन ध्वनियाँ) और खंडेतर ध्वनीयों का वर्गीकरण उच्चारण स्थान और प्रयत्न के आधार पर दिया गया है। चौथे मॉड्यूल में स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान के अंतर को स्पष्ट करने का प्रयास किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Outcome)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरान्त विद्यार्थियों में निम्नलिखित बिन्दुओं का विकास होगा-

1. विद्यार्थी, स्वनविज्ञान की परिभाषा, स्वरूप और शाखाओं से अवगत होंगे।
2. वागवयव और उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न के आधार पर स्वनिमों का वर्गीकरण एवं विश्लेषण कर सकेंगे।
3. विद्यार्थी स्वर और व्यंजन ध्वनियों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे और खंडीय स्वनों का वर्गीकरण करने में समर्थ होंगे।
4. खंडीय स्वनों के अलावा भाषा में मात्रा, बलाघात, सुर, संहिता आदि खंडेतर स्वनों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझ पाएंगे और इनका वर्गीकरण करने में समर्थ होंगे।
5. स्वन और स्वनिमों के अंतर को स्पष्ट रूप से समझने में विद्यार्थी सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/		

				Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**स्वनविज्ञान**	**08**	**0**3	**0**2	**13**	25%
1.1	स्वनविज्ञान की परिभाषा एवं स्वरूप	**02**				
1.2	स्वनविज्ञान की शाखाएँ	**02**				
1.3	वागवयव	**02**				
1.4	उच्चारण स्थान एवं प्रयत्न	**02**				
मॉड्यूल-2	**खंडीय स्वन**	**08**	03	02	**13**	25%
2.1	स्वर : परिभाषा एवं स्वरूप	**02**				
2.2	स्वर : वर्गीकरण के विविध आधार	**02**				
2.3	व्यंजन : परिभाषा एवं स्वरूप	**02**				
2.4	व्यंजन : वर्गीकरण के विविध आधार	**02**				
मॉड्यूल-3	**खंडेतर अभिलक्षण**	**08**	**02**	02	**12**	25%
3.1	दीर्घता (Length)	**02**				
3.2	बलाघात (Stress)	**02**				
3.3	सुर (Pitch)	**02**				
3.4	संहिता (Juncture)	**02**				
मॉड्यूल-4	**स्वनिमविज्ञान**	**08**	**02**	**01**	**11**	25%
4.1	स्वनिमविज्ञान का अर्थ	**02**				
4.2	स्वनिम की अवधारणा	**02**				
4.3	स्वनिम, स्वन एवं संस्वन	**02**				
4.4	स्वनविज्ञान एवं स्वनिमविज्ञान	**02**				
मॉड्यूल-5	**स्वनिम विश्लेषण : दृष्टांत पाठ**	**08**	**02**	**01**	**11**	25%
5.1	एक पाठ लेकर उसमें से स्वन, स्वनिम और संस्वन प्राप्त करना					
योग		40	12	08	60	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2 ज्ञान	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4 कौशल्य	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7 रोजगार	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	**X**	-

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. धल, ग. ब. (1961). *ध्वनिविज्ञान.*अलाहाबाद: यूनिवर्सिटीलाइब्रेरी. 2. बोरा राजमल, (2007), भाषाविज्ञान, दिल्ली: National Publishing house. 3. 2.पाण्डेय, कैलाश नाथ, (2006),भाषाविज्ञान का रसायन, गाजीपुर: गाजीपुर साहित्य संसद. 4. शर्मा, देवेन्द्र, (2001), भाषाविज्ञान की भूमिका,नई दिल्ली: राधाकृष्ण प्रकाशन. 5. Lyons, J. (1981). Language and Linguistics. London: C.U.P. 6. Carr, P. (1993). *Phonology.* New York: St. Martin Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Roach, P. (1998). *English Phonetics and Phonology.* New York: Cambridge University Press . 2. Peter Ladefoged, K. J. (2011). *A Cource in Phonetics.* Washington : Wadsworth, Cengage Learning
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

घटक	**घंटे**

1. पाठ्यचर्या का नाम- रूपविज्ञान (Morphology)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S1C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- I

कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

इस पाठ्यचर्या में सर्वप्रथम रूपविज्ञान का परिचयदेते हुए रूपिम, रूप और संरूप की अवधारणाओं को बताया गया है। इसके पश्चात रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं को स्थान दिया गया है। आगे रूपिमिक वितरण, भारतीय और पाश्चात्य दृष्टि से किए गए शब्दभेद वर्गीकरण औरव्याकरणिक कोटियों को रखा गया है। अंत में व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं को स्थान दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- 'रूपिम, रूप और संरूप'की अवधारणाओं की स्पष्ट समझ।
- रूपिम के प्रकारों और रूपविज्ञान की शाखाओं का परिचय।
- शब्दभेदों और व्याकरणिक कोटियों का ज्ञान।
- व्युत्पादन और रूपसाधन की प्रक्रियाओं की समझ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**रूपविज्ञान: परिचय**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
1.1	रूपविज्ञान क्या है?	02				
1.2	रूपविज्ञान की विषयवस्तु	02	01	01		
1.3	रूपिम क्या है?	02	01			
1.4	रूपिम, रूप और संरूप	02				
मॉड्यूल-2	**रूपिम के प्रकार**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	मुक्त रूपिम और इसके प्रकार	04	01			
2.2	बद्ध रूपिम और इसके प्रकार	04	01	01		
मॉड्यूल-3	**शब्दभेद और व्याकरणिक कोटियाँ**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
3.1	शब्दभेद : भारतीय औरपाश्चात्य वर्गीकरण	04	01	01		
3.2	व्याकरणिक कोटियाँ (लिंग, वचन, पुरुष, काल, पक्ष, वृत्ति, कारक और वाच्य)	04	01	01		
मॉड्यूल-4	**व्युत्पादन और रूपसाधन**	**08**	**02**	**03**	**13**	**20%**
4.1	उपसर्ग, प्रत्यय योग	02		01		
4.2	संधि	02	01			
4.3	समास	01				
4.4	विकारी और अविकारी शब्दवर्ग	01	01	01		
4.5	विकारी शब्द और रूपसाधन (पदसाधन)	02		01		
मॉड्यूल-5	**रूपिमिक विश्लेषण**	**08**	**02**	01	**11**	**20%**
5.1	एक पाठ से रूपिम, रूप और संरूप विश्लेषित करना					
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित

विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य- 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति			X	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• उप्रैति, मुरारी लाल. (1964)हिंदी में प्रत्यय विचार. आगरा : विनोद पुस्तक मंदिर। • तिवारी, भोलानाथ. (). हिंदी की रूप-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • तिवारी, भोलानाथ. (2004). हिंदी की शब्द-संरचना. नई दिल्ली : वाणी प्रकाशन। • Matthews, P. (1991). Morphology. 2ndedn, Cambridge: Cambridge University Press. • Matthews, P. H. (1972). Inflectional morphology. Cambridge: Cambridge University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• गुरू, कामताप्रसाद. (1997). हिंदी व्याकरण. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा. • वाजपेयी, किशोरीदास. (1998). हिंदी शब्दानुशासन. काशी: नागरी प्रचारिणी सभा • Aronoff, M. (1976). Word formation in generative grammar. Cambridge, Mass: MIT Press. • Austin, J. L. (1962). How to do things with Words. Oxford: Oxford University Press. • Blakemore, D. (1992). Understanding utterances. Oxford: Blackwell. • Lyons, J. (1968). Introduction to theoretical Linguistics. London: C.U.P.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

*** *** ***

****

द्वितीय सेमेस्टर

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- वाक्यविज्ञान-01 (Syntax-01)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S2C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	05
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

रूपविज्ञान एवं वाक्यविज्ञान इस पाठ्यचर्या में रूपविज्ञान की परिभाषा एवं शाखाओं को दिया गया है। इसके साथ ही रूपिम, रूप और संरूपों को भी स्पष्ट किया गया है। इसके अलावा शब्द और शब्दांश, शब्द वर्ग, व्याकरणिक कोटियाँ एवं वाक्यविज्ञान के परिचय को यहाँ दिया गया है। इसके साथ ही वाक्यविज्ञान में वाक्य के प्रकारों को भी यहाँ पर स्पष्ट किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से विद्यार्थी निम्नलिखित बिन्दुओं को गहराई से आत्मसात कर सकेंगे-

1. रूपविज्ञान : परिभाषा एवं शाखाएँ इसका अध्ययन करने से विद्यार्थियों में रूपिमिक विश्लेषण की समझ विकसित होगी।
2. रूपिम, रूप और संरूप के अध्ययन से विद्यार्थियों में रूपिम, रूप एवं संरूप को परिभाषित करने की समझ विकसित होगी।
3. शब्द और शब्दांश का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में शब्द निर्माण प्रक्रिया की समझ विकसित होगी।
4. शब्दवर्ग और व्याकरणिक कोटियों के अध्ययन से छात्रों को विभिन्न व्याकरणिक कोटियाँ और शब्दवर्गों को परिभाषित और विश्लेषित करने की समझ विकसित होगी।
5. वाक्य : परिभाषा और प्रकार के अध्ययन करने से छात्र वाक्य के अंग, वाक्य के प्रकार और वाक्य रचना के तत्व आदि का विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वाक्य : परिचय**	**04**	03	01	**08**	20%
1.1	वाक्य की परिभाषा	1				
1.2	वाक्य के अंग (उद्देश्य, विधेय)	1				
1.3	वाक्य की आवश्यकताएँ- आकांक्षा, योग्यता और सन्निधि	2				
मॉड्यूल-2	**वाक्य रचना के तत्व**	08	03	01	12	20%
2.1	पद, पदबंध और उपवाक्य	**3**				
2.2	क्रिया और कारकीय संबंध	**3**				
2.3	अर्थ-संगति	**2**				
मॉड्यूल-3	**वाक्यविज्ञान : परिचय**	08	03	01	12	20%
3.1	वाक्यविज्ञान : परिभाषा एवं स्वरूप	**2**				
3.2	वाक्यविज्ञान की विषयवस्तु	**3**				

3.3	वाक्यविज्ञान और रूपविज्ञान	**3**				
मॉड्यूल-4	**वाक्य के अंग**	**12**	03	01	**16**	20%
4.1	पदबंध : परिभाषा एवं प्रकार	**2**				
4.2	उपवाक्य : परिभाषा एवं प्रकार	**5**				
4.3	वाक्य : परिभाषा एवं प्रकार	**5**				
मॉड्यूल-5	**प्रायोगिक वाक्य विश्लेषण**	08	03	01	12	20%
5.1	एक दृष्टांत पाठ लेकर उसमें विभिन्न प्रकार के पदबंध, उपवाक्य और वाक्य विश्लेषित करना					
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

1. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
2. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्तअंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 2. काचरू, यमुना. (1980).*हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन. 3. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन. 4. गुरु, कामता प्रसाद. (1997).*हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 2. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर. 3. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार. 4. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company. 5. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield,USA:Dunwoody Press. 6. McGregor,R.S.(1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi:OUP.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

1. पाठ्यचर्या का नाम- अर्थविज्ञान-01 (Semantics-01)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S2C2
3. क्रेडिट (Credit) - 02
4. सेमेस्टर (Semester)- I
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

अर्थविज्ञान पाठ्यचर्या में अर्थ की संकल्पना को स्पष्ट करते हुए अर्थ के प्रकारों को सम्मिलित किया गया है। इसके साथ ही कोशीय अर्थविज्ञान के साथ अर्थ प्रतिपादन के स्तरों को भी शामिल किया गया है। तथा अंतिम मॉड्यूल में अर्थ के संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष को भी इस पाठ्यचर्या में सम्मिलित किया गया है।

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	18
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	04
कौशल विकास गतिविधियाँ	-
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या का अध्ययन करने से विद्यार्थी निम्नलिखित बिन्दुओं को जान सकेंगे-

1. विद्यार्थी अर्थ की अवधारण से अवगत होंगे।

2. भाषा में शब्द, वाक्य और उनके अर्थ निर्धारण की समझ विद्यार्थियों में विकसित होगी।
3. विद्यार्थी अर्थ प्रतिपादन के स्तरों को आत्मसात कर पाएंगे।
4. विद्यार्थी अर्थ के संकेतप्रयोगवैज्ञानिक पक्ष से भी अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अर्थ क्या है?**	**04**	**02**	**01**	**07**	**25%**
1.1	अर्थ की अवधारण	**1**				
1.2	अर्थ के प्रकार – वर्णनात्मक, भावात्मक और संवेगात्मक	**1**	**1**			
1.3	आशय एवं प्रसंग (Sense and Reference)	**1**	**1**			
1.4	वाच्यार्थ, लक्ष्यार्थ एवं व्यंजनार्थ	**1**				
मॉड्यूल-2	**आर्थी संबंध**	**05**	**02**	**01**	**08**	**25%**
2.1	पर्यायता (Synonymy)	**1**				
2.2	अनेकार्थता (Polysemy)	**1**	**1**			
2.3	विलोमता (Antonymy)	**1**				
2.4	समनामता (Homonymy)	**1**	**1**			
2.5	अधिनामिता और अवनामिता (Hypernymy & Hyponymy)	**1**				
मॉड्यूल-3	**अर्थ प्रतिपादनके स्तर**	**05**	**02**	**01**	**07**	**25%**
3.1	शब्द (Word)	**1**				
3.2	प्रकृति और प्रत्यय (Base and Suffix)	**1**	**1**			
3.3	बहुशब्दीय अभिव्यक्तियाँ (Multi-Word Expressions)	**1**				
3.4	वाक्य	**1**				
3.5	प्रोक्ति (Discourse)	**1**	**1**			
मॉड्यूल-4	**अर्थ का प्रकरणार्थवैज्ञानिक पक्ष**	**04**	**02**	**01**	**08**	**25%**
4.1	पूर्वमान्यता (Presupposition)	**1**	**1**			
4.2	अनुलग्नता (Entailment)	**1**	**1**			
4.3	निहितार्थ (Implicature)	**2**				
योग		**18**	**08**	**04**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि

उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

3. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
4. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Fodor, J.D. 1977. Semantics: Hillsdale, N.J. : Lawrence Erlbaum Associates. 2. Fodor, J. D. 1977. Semantics : Theories of Meaning in Generative Grammar. New York : Crowell. 3. Jackendoff, R. 1972. Semantic Interpretation in Generative Grammar. Cambrideg, Mass.: MIT Press.

		4. Lyons, J. 1977. Semantics. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press. 5. Platts, M. 1979, Ways of meaning. London: Routledge and Kegan Paul. 6. HkksykukFkfrokjh] fganhHkk"kk dh vkFkhZlajpuk.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Stephen C. Levinson,Pragmatics. 2. Leech, Geoffrey (1974) *Semantics,* London, Penguin. 3. Matthews Peter (1979) *Generative Grammar and Linguistic Competence,* London, Allen &Unwin. 4. Matthews Peter (1981) *Syntax,* Cambridge, Cambridge University Press. 5. Kempson, R. 1977. Semantic Theory. Cambridge: Cambridge University Press. 6. Lehrer, K., and A. Lehrer, eds. 1970. Theory of Meaning. Englewood Cliffs, N.J. : Prentice-Hall. 7. Lepore, E., ed. 1987. New Directions in Semantics. New York : Academic Press
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा और कंप्यूटर
(Language and Computer)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S2C3
3. क्रेडिट (Credit) - 02
4. सेमेस्टर (Semester)- IV
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	05
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**30**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या कंप्यूटर का सामान्य परिचय कराने साथ-साथ भाषा और प्रौद्योगिकी के संयोग से उत्पन्न नवीन क्षेत्र 'प्राकृतिक भाषा संसाधन तथा भाषा प्रौद्योगिकी' से विद्यार्थियों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम कंप्यूटर की संरचना और अनुप्रयोग के परिचय के साथ प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों आदि का समावेश किया गया है। इसके पश्चात प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- कंप्यूटर की संरचना और अनुप्रयोगका ज्ञान होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा का बोध होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल – 1 कंप्यूटर : संरचना एवं अनुप्रयोग		**06**	**03**	**02**	**11**	**35%**
1	कंप्यूटर : इनपुट, प्रोसेसिंग, आउटपुट	02	01			

2	हार्डवेयर, सिस्टम सॉफ्टवेयर, एप्लीकेशन सॉफ्टवेयर	02	01			
3	कंप्यूटर परिचालन : एम.एस. ऑफिस और अन्य	01	01			
4	कंप्यूटर और इंटरनेट	01				
मॉड्यूल – 2 कंप्यूटर और प्राकृतिक भाषा संसाधन		**06**	**02**	**01**	**09**	**30%**
1	मानव भाषा और मशीनी भाषा	01	01			
2	मानव मशीन अंतरक्रिया	01				
3	प्राकृतिक भाषा संसाधन : स्वरूप	02				
4	प्राकृतिक भाषा संसाधन : आवश्यकता और उद्देश्य	02	01			
मॉड्यूल – 3 प्राकृतिक भाषा संसाधन के प्रमुख अनुप्रयोग क्षेत्र		**06**	**03**	**01**	**10**	**35%**
1	मशीनी अनुवाद (MT)	02	01			
2	सूचना प्रत्यानयन (IR)	01	01			
3	प्रकाशिक अक्षर अभिज्ञान (OCR), लिप्यंतरण (Automatic Transliteration), पाठ सारांशीकरण (Automatic Text Summarization)	02	01			
4	कंप्यूटर साधित भाषा शिक्षण (CALT)	01				
5	कृत्रिम बुद्धि (AI)					
योग		**18**	**08**	**04**	**30**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य- 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति			X	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bharati, A. Chaitanya, V. &Sangal, R. (1995). *Natural Language Processing: A Paninian perspective*. New Delhi: Prentice-Hall of India. • Jurafsky, D. & Martin, J.H. (2008). *Speech and language processing: an introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition*. N.J.: Pearson. • NPTEL: Prof. Pushpak Bhattacharya online course on NLP • प्रसाद, धनजी.(2019). हिंदी का संगणकीय व्याकरण, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bird, S., Klein, E. &Loper, E. (2009). *Natural Language Processing with Python Analyzing Text with the Natural Language Toolkit*. Sebastopol: O' Railly Media. • Date, C.J. (2003). *An Introduction to Database Systems*. Boston: Addison-Wesley. • Heinrich, S. ed. (1999). *Foundations of Statistical Natural Language Processing*. Cambridge: MIT Press. • Silberschatz, A., Korth, H. & Sudarshan, S. (2010). *Database System Concepts*. N.Y.: McGraw-Hill Education. • XTAG REPORT, http://www.cis.upenn.edu/~xtag/ • प्रसाद, धनजी. (2011). भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्त एवं तकनीकी पक्ष. नई दिल्ली :प्रिय साहित्य सदन. • मल्होत्रा, विजय कुमार. (1998). *कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग*.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

1. पाठ्यचर्या का नाम- अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान (Applied Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S2C4

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- I

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

भाषाविज्ञान में रूचि रखनेवाले शिक्षार्थियों को केंद्र में रखकर इस पाठ्यचर्या का निर्माण किया गया है। इस पाठ्यचर्या में भाषाविज्ञान के अनुप्रयुक्त क्षेत्र को विस्तृत रूप में स्पष्ट किया गया है| इसमें भाषाशिक्षण, कोशविज्ञान, अनुवाद, कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान और शैलिविज्ञान आदि को विस्तार से समझाया गया है| ये सभी क्षेत्र भाषाविज्ञान के अनुप्रयोग के क्षेत्र हैं|

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	20
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	08
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	02
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	30

अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस पाठ्यचर्या के सम्यक अध्ययन के उपरांत विद्यार्थियों में भाषा शिक्षण की समझ विकसित होगी| विद्यार्थियों को कोशविज्ञान की सामान्य जानकारी प्राप्त होगी| इसके अलावा विद्यार्थी अनुवाद की प्रक्रिया से परिचित होंगे| साथ ही कंप्यूटर में भाषा के अनुप्रयोग की समझ भी विद्यार्थियों में विकसित हो सकेगी| विद्यार्थियों में शैलिविज्ञान की सामान्य समझ विकसित होगी|

ज्ञान/ बोध संबंधी	कौशल/दक्षता संबंधी	रोजगार संबंधी
✓	✓	-

1. **पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)**

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञानका अर्थ**	**04**	**2**	**01**	**07**	**10%**
1.1	अनुप्रयुक्तभाषाविज्ञान का अर्थ	**1**				
1.2	सैद्धांतिक और अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान	**1**				
1.3	अनुप्रयुक्त भाषाविज्ञान के पक्ष: व्यावहारिक, अंतरानुशासनिक, तकनीकी	**2**				
मॉड्यूल-2	**भाषा शिक्षण**	**08**	**3**	**01**	**12**	**20%**
2.1	भाषा शिक्षण और भाषा- मातृभाषा, प्रथम भाषा, द्वितीय भाषा, विदेशी भाषा	**2**				
2.2	भाषा कौशल : सुनना, बोलना, पढ़ना, लिखना	**2**				
2.3	भाषा अर्जन, भाषा अधिगम और भाषा शिक्षण	**2**				
2.4	भाषा शिक्षण प्रक्रिया- पाठ्यचर्या निर्माण, सामग्री निर्माण, शिक्षण, परीक्षण और मूल्यांकन	**2**				
मॉड्यूल-3	**अनुवाद**	**08**	**3**	**01**	**12**	**20%**
3.1	भाषाविज्ञान और अनुवाद	**2**				
3.2	अनुवाद : प्रकृति, प्रकार, क्षेत्र	**3**				
3.3	अनुवाद की प्रक्रिया	**3**				
मॉड्यूल-4	**कोशविज्ञान**	**08**	**3**	**01**	**12**	**20%**
4.1	कोश : स्वरूप एवं प्रकार	**2**				
4.2	कोश निर्माण की प्रक्रिया	**3**				
4.3	कोशीय प्रविष्टि	**3**				
मॉड्यूल-5	**समाजभाषाविज्ञान और मनोभाषाविज्ञान**	**04**	**2**		**06**	**10%**
5.1	समाजभाषाविज्ञान	2				
5.2	मनोभाषाविज्ञान	2				
मॉड्यूल-6	**भाषा प्रौद्योगिकी**	**08**	**2**	**01**	**11**	**20%**
6.1	भाषाविज्ञान एवं भाषा प्रौद्योगिकी	**2**				
6.2	प्राकृतिक भाषा संसाधन : स्वरूप एवं प्रकार	**3**				
6.3	भाषा प्रौद्योगिकी के अनुप्रयोग क्षेत्र	**3**				

योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	अनुभवमूलक
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, ट्यूटोरियल
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning)**
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स:

(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

5. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।

4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

सेमेस्टर - III

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	47
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	03
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- वाक्यविज्ञान-02
(Syntax-02)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S3C1
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- III
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

वाक्यविज्ञान-02 पाठ्यचर्या में वाक्य रचना के तत्वों के साथ वाक्य विश्लेषण के विवध अधिगामों को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा इस पाठ्यचर्या में विभिन्न वाक्य साँचों के साथ-साथ वाक्य विश्लेषण के प्रायोगिक कार्यों को भी दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी वाक्य विश्लेषण के अभिगमों से परिचित होंगे।
- विद्यार्थी वाक्य सांचों से अवगत होंगे।
- विद्यार्थी वाक्य विश्लेषण करने में सक्षम होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वाक्य रचना के तत्व**	**08**	04	01	13	**20**%
1.1	वाक्य : स्वरूप एवं प्रकार	**2**				
1.2	क्रिया प्रकार्य स्थान	**2**				
1.3	अर्थ-संगति	**2**				
1.4	वाक्य रचना और अध्याहार	**2**				
मॉड्यूल-2	**वाक्य विश्लेषण : विविध अभिगम**	**10**	04	02	16	25%
2.1	सस्यूर : विन्यासक्रमी और सहचारक्रमी संबंध	**2**				
2.2	ब्लूमफील्ड : निकटस्थ अवयव विश्लेषण	**4**				
2.3	चॉम्स्की : पदबंध संरचना नियम और वृक्ष आरेख	**4**				
मॉड्यूल-3	**वाक्य साँचा**	**12**	04	01	17	**30**%
3.1	वाक्य साँचा क्या है?	**3**				
3.2	कोप्यूला वाक्य साँचे	**3**				
3.3	को-वाक्य साँचे	**3**				

3.3	मुख्य क्रियायुक्त वाक्य साँचे	**3**				
मॉड्यूल-4	**प्रायोगिक वाक्य विश्लेषण**	**10**	03	01	**14**	**25%**
4.1	एक दृष्टांत पाठ लेकर उसमें आए वाक्यों का उपर्युक्त अभिगमों के आधार पर विश्लेषण करना एवं उनके वाक्य साँचे निर्धारित करना					
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom)** , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning)** आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

टिप्पणी:

5. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
6. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन	**मौखिकी**

(80%)			(20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ
(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	5. अग्निहोत्री, रमाकांत. (2013). *हिंदी: एक मौलिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. 6. काचरू, यमुना. (1980).*हिंदी का समसामयिक व्याकरण*. नयी दिल्ली : मैकमिलन. 7. कालरा, सुधा. (1971). *हिंदी वाक्य विन्यास*. इलाहाबाद : लोकभारती प्रकाशन. 8. गुरु, कामता प्रसाद. (1997).*हिंदी व्याकरण*. काशी : नागरी प्रचारिणी सभा. तिवारी, भोलानाथ. (1979). *हिंदी भाषा की संरचना*. दिल्ली : वाणी प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	7. श्रीवास्तव, रवींद्रनाथ. (1995). *हिंदी भाषा : संरचना के विविध आयाम*. नयी दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. 8. सहाय, चतुर्भुज. (1979). *हिंदी वाक्यसंरचना*. वाराणसी : संजय बुक सेंटर. 9. सिंह, सूरजभान. (2000). *हिंदी का वाक्यात्मक व्याकरण*. दिल्ली : साहित्य सहकार. 10. Kachru, Yamuna. (2006). *Hindi*. Amsterdam: John Benjamin Publishing Company. 11. Kaul, Omkar Nath. (2006). *Modern Hindi Grammar*. Springfield,USA:Dunwoody Press. McGregor,R.S.(1972). *Outline of Hindi Grammar*. Delhi:OUP.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषाविज्ञान की अंतरानुशासनिकता
(Interdisciplinarity of Linguistics)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S3C2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- III
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	60

भाषा मानव चिंतन और ज्ञान का आधार है। इस कारण यह मानव मस्तिष्क, मन, समाज एवं क्रियाकलाप से जुड़े सभी विषयों से अपने-आप को जोड़ती है। अतः व्यापक स्तर पर भाषाविज्ञान कुछ अन्य विषयों के साथ अपने-आप को जोड़ते हुए

अंतरानुशासनिक शाखाओं के माध्यम से अपनी पूर्णता को प्राप्त करता है। भाषाविज्ञान की इन शाखाओं में मनोभाषाविज्ञान, समाजभाषाविज्ञान, शैलीविज्ञान, भाषा प्रौद्योगिकी आदि प्रमुख हैं, तो दर्शनशास्त्र, भूगोल, न्यूरोविज्ञानऔर तर्कशास्त्र आदि भी अपने आप को भाषाविज्ञान से संबद्ध करते हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या इन सभी का परिचय कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी मनोविज्ञान, समाजविज्ञान, साहित्य, प्रौद्योगिकी, दर्शनशास्त्र, भूगोल, न्यूरोविज्ञानऔर तर्कशास्त्र के साथ भाषाविज्ञान के संबंधों और इस प्रकार विकसित अंतरानुशासनिक विषयों की विषयवस्तु से परिचित हो सकेंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of theCourse)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषाविज्ञान और मनोविज्ञान**	**06**	**03**	**01**	**10**	**15%**
1.1	भाषा और मन का संबंध	2	1			
1.2	मनोभाषाविज्ञान	2	1			
1.3	मनोभाषाविज्ञान की विषयवस्तु	2	1			
मॉड्यूल-2	**भाषाविज्ञान और समाजशास्त्र**	**08**	**03**	**01**	**12**	**19%**
2.1	भाषा और समाज का संबंध	3	1			
2.2	समाजभाषाविज्ञान	2	1			
2.3	समाजभाषाविज्ञान की विषयवस्तु	3	1			
मॉड्यूल-3	**भाषाविज्ञान और साहित्य**	**10**	**02**	**01**	**13**	**23%**
3.1	भाषा और साहित्य का संबंध	3	1			
3.2	शैलीविज्ञान	4	1			
3.3	शैलीविज्ञान की विषयवस्तु	3				
मॉड्यूल-4	**भाषाविज्ञान और कंप्यूटरविज्ञान**	**10**	**05**	**01**	**16**	**30%**
4.1	भाषा और कंप्यूटर का संबंध	3	2			
4.2	भाषा प्रौद्योगिकी और कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान	3	1			
4.3	भाषा प्रौद्योगिकी/कंप्यूटेशनल भाषाविज्ञान की विषयवस्तु	4	2			
मॉड्यूल-5	**भाषाविज्ञान और अन्य प्रमुख संबंधित ज्ञानक्षेत्र**	**06**	**02**	**01**	**09**	**13%**
5.1	भाषाविज्ञान और दर्शनशास्त्र	2	1			
5.2	भाषाविज्ञान और भूगोल	2				
5.3	भाषाविज्ञान और न्यूरोविज्ञान	1	1			
5.4	भाषाविज्ञान और तर्कशास्त्र	1				
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,

उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान
(Historical and Comparative Linguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S3C3

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- III

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या का उद्देश्य ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान का सामान्य परिचय स्पष्ट करते हुए विद्यार्थियों को हिंदी भाषा की ऐतिहासिक पक्ष और उसका उद्भव एवं विकास, भाषाविज्ञान के अध्ययन के रूप, भाषाओं का वर्गीकरण। तुलनात्मक अध्ययन की प्रक्रिया और तुलनात्मक भाषाविज्ञान की प्रविधि एवं उसका प्रयोजन। भाषाओं की तुलना, भाषिक पुनर्जिमाण, भाषायी व्याघात का पूर्वानुमान, भाषाओं के वैशिष्ट्य का निर्धारण भाषिक सामग्री का परिरक्षण,संकलित सामग्रीका विश्लेषण, और दो या दो से अधिक भाषाओं में समानता,एवं विषमता का परिचय कराना मात्र है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के अध्ययन से, ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय समकालिक, एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण, भाषा का कालक्रमिक विकास, अध्ययन कर, तुलनात्मक अध्ययन में अपना योगदान दे सकेगा।
- विद्यार्थी ऐतिहासिक एवं तुलनात्मक भाषाविज्ञान के अध्ययन से, संकलित सामग्री का विश्लेरषण करने में दक्ष बनेगा। भाषा सर्वेक्षक भी बन पाएगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वैचारिक पृष्ठभूमि और अध्ययन के स्रोत**	**10**	**03**	**02**	**15**	**25%**
1.1	ऐतिहासिक भाषाविज्ञान का परिचय	03	01			
1.2	समकालिक एवं कालक्रमिक दृष्टिकोण	04	01	01		
1.3	भाषा का कालक्रमिक विकास	03	01	01		
मॉड्यूल-2	**भाषा परिवर्तन की नियमितता और परिवर्तन के नियम**	**10**	**05**	**01**	16	**30%**
2.1	नव्य वैयाकरण	05	03			
2.1	ग्रिम,ग्रासमन एवं वर्नर के नियम	05	02			
मॉड्यूल-3	**भाषा परिवर्तन-कारण और प्रकार**	**10**	**04**	**01**	15	**25%**
3.1	ध्वनि परिवर्तन	03	01	01		
3.2	रूप परिवर्तन	03	01			
3.3	वाक्य परिवर्तन	02	01			
3.4	अर्थ परिवर्तन	02	01			
मॉड्यूल-4	**तुलनात्मक भाषाविज्ञान का भारतीय संदर्भ**	**05**	**03**	**01**	09	**15%**
मॉड्यूल-5	**तुलनात्मक एवं व्यतिरेकी भाषाविज्ञान**	**05**			**05**	**05%**
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी.आधरित, शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का प्रयोग श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓					

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन कियाजाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	गुणे, पी.डी. (1963) तुलनात्मक भाषाविज्ञान, मोतीलाल बनारसीदास, वाराणसी, पटना, चतुर्थ संस्करण Gene, P.D-An introduction to Comparative Philology, Poona, (1918)
2	संदर्भ-ग्रंथ	तिवारी, उदयनारायण (1983) भाषाविज्ञान का संक्षिप्त इतिहास, भारती भण्डार, इलाहाबाद, गुरू, कामता प्रसाद (2014) हिंदी व्याकरण ना.प्र.स. वाजपेयी, किशोरीदास-हिंदी शब्दानुशासन, ना.प्र.स. ग्रियसन- (1959) भारत का भाषा सर्वेक्षण, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उ.प्र. शर्मा, देवेन्द्रनाथ- (2001) भाषाविज्ञान की भूमिका, राधाकृष्ण प्रकाशन, दिल्ली
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- समाजभाषाविज्ञान

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S4C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- IV

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	60

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

समाजभाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति मॉड्यूल में भाषा और समाज के पारस्परिक संबंधों के साथ व्यक्तिबोली, मानकभाषा आदि को स्पष्ट किया गया है। इसके अलावा समाज में भाषा की विविधता को भी यहाँ सम्मिलित किया गया है।

'भाषा संपर्क' मॉड्यूल में कोड मिश्रण, कोड परिवर्तन, पिजिन, क्रियोल द्विभाषिकता और बहुभाषिकता आदि को दिया गया है। इसमें शिक्षा, प्रौद्योगिकी आदि से संबंधित नीतियों को लिया है'भाषा नीति और नियोजन' मॉड्यूल में नीति निर्धारण और भाषा से संबंधित नियोजनों को दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

1. समाजभाषाविज्ञान की अवधारणा एवं प्रकृति, मॉड्यूल के अध्ययन से विद्यार्थी समाज में प्रचलितभाषिक विविधता और उसके लिए जिम्मेदार सामाजिक कारको को आत्मसात कर पाएँगे।
2. भाषा संपर्क, मॉड्यूल का अध्ययन करने से संपर्क के कारण भाषा में होने वाले परिवर्तन (ध्वनि, रूप, वाक्य और अर्थ स्तर) को विद्यार्थीआयु, लिंग, शिक्षा, सामाजिक वर्ग, धर्म, जाति आदि सामाजिक कारक भाषा को किस प्रकार प्रभावित करते हैं, यह जन पाएँगे।
3. भाषा नीति और नियोजन, मॉड्यूल का अध्ययन करने से विद्यार्थियों में भाषा से संबंधित नीतियों और नियोजनों की जानकारी विकसित होगी।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(In		

			अपेक्षित हैं)	teraction/ Training/ Laboratory)		Course)
मॉड्यूल-1	**भाषा और समाज का अन्त:संबंध**	**08**	**03**	**01**	**12**	**20%**
1.1	समाजभाषाविज्ञान का स्वरूप	2	**1**			
1.1	सामाजिक वस्तु के रूप में भाषा	1	**1**			
1.3	भाषा को प्रभावित करने वाले सामाजिक तत्व	3	**1**			
1.4	भाषा और बोली	2				
मॉड्यूल-2	**भाषा का समाजशास्त्र**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
2.1	भाषा निष्ठा	2	**1**			
2.2	भाषा संरक्षण	3				
2.3	भाषा विस्थापन, भाषा मृत्यु	3	**1**			
2.4	संकटापन्न भाषाएँ	2	**1**			
मॉड्यूल-3	**भाषा संपर्क**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
3.1	कोड मिश्रण और कोड परिवर्तन	2	**1**			
3.2	पिजिन, क्रियोल	3	**1**			
3.3	भाषा द्वैत	3				
3.4	द्विभाषिकता और बहुभाषिकता	2	**1**			
मॉड्यूल-4	**समाजभाषाविज्ञान**	**08**	**03**	**01**	**12**	**20%**
4.1	भाषा प्रभुत्त्व	2	**1**			
4.2	भाषा नियोजन	2	**1**			
4.3	भाषा व्यवहार और मानकीकरण	2	**1**			
4.4	हिंदी और मानकीकरण	2				
मॉड्यूल-5	**भाषा और वैश्वीकरण**	**04**	**03**	**01**	**08**	**10%**
5.1	वैश्वीकरण की अवधारणा	1	**1**			
5.2	वैश्वीकरण का भाषा पर प्रभाव	1	**1**			
5.3	वैश्वीकरण के दौर में हिंदी	2	**1**			
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓		✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	

	मूल्यांकन				
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- मनोभाषाविज्ञान
(Psycholinguistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S4C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- IV

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

मनोभाषाविज्ञान पाठ्यचर्या में भाषाविज्ञान एवं मनोविज्ञान के अंतःसंबंधों को सम्मिलित किया गया है। भाषा अर्जन एवं अधिगम की प्रक्रिया को बताया गया है। इसके अलावा मानव मस्तिष्क में भाषा बोधन किस प्रकार से होता है, इसको सम्मिलित किया गया है।साथ ही भाषायी व्याघात की समस्याओं को भी इसमें शामिल किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदुओं को गहराई से जान सकेंगे:

1. भाषाविज्ञान एवं मनोभाषाविज्ञान का अन्तःसंबंध
2. मानव शिशु की भाषाविकास प्रक्रिया
3. मावन मस्तिष्क और भाषा बोधन
4. भाषा अधिगम
5. भाषा बोधन में आनेवाली समस्याओं से विद्यार्थी परिचित होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यूटोरियल** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		

मॉड्यूल-1	**मनोभाषाविज्ञान**	**06**	**03**	**01**	**10**	**15%**
1.1	भाषा और मन	**3**	**2**			
1.2	मनोभाषाविज्ञान क्या है?	**3**	**1**			
मॉड्यूल-2	**वाक् उत्पादन एवं वाक् बोधन**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
2.1	वाक् उत्पादन (Speech Production)	**3**	**1**			
2.2	वाक् बोधन (Speech Comprehension)	**3**	**1**			
2.3	वाक् अभिज्ञता (Speech Perception)	**4**	**1**			
मॉड्यूल-3	**भाषा अर्जन एवं भाषा अधिगम प्रक्रिया**	**14**	**05**	**02**	**21**	**35%**
3.1	भाषा अर्जन	**2**	**1**			
3.2	भाषा अर्जन की प्रक्रिया (बालभाषा का विकास और बालभाषा के अंग)	**2**		**1**		
3.3	क्रिटिकल अवधि	**2**	**1**			
3.4	भाषा के औपचारिक पक्षों का अर्जन (मानसिक शब्दकोश, वाक्य रचना, अर्थ और प्रोक्ति)	**2**	**1**			
3.5	आर्थी संबंधों का अर्जन (पर्यायता, विलोमता, कार्य-कारण संबंध, आर्थी वर्ग)	**2**	**1**	**1**		
3.6	भाषा अधिगम	**2**				
3.7	मातृभाषा अधिगम और द्वितीय/अन्य भाषा अधिगम	**2**	**1**			
मॉड्यूल-4	**भाषायी व्याघात**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
4.1	वाचाघात (अफेजिया)	**2**	**1**			
4.2	अपठन (डिसलेक्सिया)	**2**	**1**			
4.3	हकलाहट	**2**				
4.4	श्रवणबाधित व्यक्ति और भाषा	**2**	**1**			
4.5	मानसिक रूप से मंद व्यक्ति और भाषा	**2**	**1**			
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- अर्थविज्ञान-02
(Semantics-02)

(Indian Linguistic Thought)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S4C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- IV
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

अर्थविज्ञान-02 पाठ्यचर्या में अर्थ के विविध आयामों स्पष्ट करते हुए अर्थविज्ञान की आधुनिक शाखाओं को सम्मिलित किया गया है। इसके अलावा आर्थी निरूपण को भी शामिल किया गया है। तथा अंतिम मॉड्यूल मेंभारतीय अर्थ चिंतन को भी इस पाठ्यचर्या में सम्मिलित किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी अर्थ के विवध आयामों से परिचित होंगे।
- अर्थविज्ञान की अन्य शाखाओं का परिचय विद्यार्थियों को इस पाठ्यचर्या से होगा।
- अर्थ चिंतन की भारतीय परंपरा से विद्यार्थी अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यू. (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**अर्थ : विविध आयाम**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
1.1	भाषा में ध्वनि, संरचना और अर्थ	**2**				
1.2	शब्द और वाक्य के स्तर पर अर्थ की स्थिति	**2**	**1**			
1.3	कोशीय अर्थ और व्याकरणिक अर्थ	**2**	**1**			

1.4	प्रमुख आर्थी संबंध- अधिनामी (hypernym), अवनामी (hyponym), अंगांगि(meronym) समनामी (homonym), पूर्वमान्यता (presupposition) और अनुलग्नता (entailment), आशय एवं प्रसंग (sense and reference)	**4**	**1**			
मॉड्यूल-2	**अर्थविज्ञान की आधुनिक शाखाएँ**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
2.1	कोशीय अर्थविज्ञान (Lexical semantics)	**2**	**1**			
2.2	संरचनात्मक अर्थविज्ञान (Structural Semantics)	**3**	**1**			
2.3	संज्ञानात्मक अर्थविज्ञान (Cognitive Semantics)	**3**	**1**			
2.4	रूपात्मक अर्थविज्ञान (Formal Semantics)	**2**	**1**			
मॉड्यूल-3	**आर्थी निरूपण**	**10**	**04**	**02**	**16**	**25%**
3.1	शब्द-संजाल (Wordnet)	**3**	**1**			
3.2	हिंदी शब्दतंत्र (Hindi WordNet) और इंडो वर्डनेट	**2**	**1**			
3.3	आर्थी-संजाल (Semantic Net)	**2**	**1**			
3.4	फ्रेमनेट(FrameNet)प्रापबैंक (Propbank)	**3**	**1**			
मॉड्यूल-4	**भारतीय अर्थ चिंतन**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
4.1	स्फोटवाद और अपोहवाद	**2**	**1**			
4.2	अभिहितान्वयवाद और अन्विताभिधानवाद	**2**	**1**			
4.3	मीमांसा दर्शन में वाक्यार्थ बोध संबंधी चिंतन- आकांक्षा, योग्यता, सन्निधि	**2**	**1**			
4.4	शब्दशक्तियाँ (अभिधा, लक्षणा, व्यंजना) और अर्थ की अभिव्यक्ति	**2**	**1**			
4.5	अर्थबोध के साधन	**1**				
4.6	प्रकृति और प्रत्यय	**1**				
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान: (Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स: (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति								

टिप्पणी:

7. **X-**पाठ्यचर्या द्वारा प्राप्त किये जाने वाले लक्षित अधिगम परिणाम को व्यक्त करता है।
8. एक पाठ्यचर्या द्वारा एक या अधिक पाठ्यक्रम अधिगम परिणाम लक्ष्यों को प्राप्त किया जा सकता है।

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. Fodor, J.D. 1977. Semantics: Hillsdale, N.J. : Lawrence Erlbaum Associates. 2. Fodor, J. D. 1977. Semantics : Theories of Meaning in Generative Grammar. New York : Crowell. 3. Jackendoff, R. 1972. Semantic Interpretation in Generative Grammar. Cambrideg, Mass.: MIT Press. 4. Lyons, J. 1977. Semantics. 2 vols. Cambridge: Cambridge University Press. 5. Platts, M. 1979, Ways of meaning. London: Routledge and Kegan Paul. 6. HkksykukFkfrokjh] fganhHkk"kk dh vkFkhZlajpuk**.**
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Stephen C. Levinson,Pragmatics. 2. Leech, Geoffrey (1974) *Semantics,* London, Penguin. 3. Matthews Peter (1979) *Generative Grammar and Linguistic Competence,* London, Allen &Unwin. 4. Matthews Peter (1981) *Syntax,* Cambridge, Cambridge University Press. 5. Kempson, R. 1977. Semantic Theory. Cambridge: Cambridge University Press. 6. Lehrer, K., and A. Lehrer, eds. 1970. Theory of Meaning. Englewood Cliffs, N.J. :

		Prentice-Hall. 7. Lepore, E., ed. 1987. New Directions in Semantics. New York : Academic Press
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

सेमेस्टर - V

****

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- भारतीय भाषा चिंतन

(Indian Linguistic Thought)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S5C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- V

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

प्राचीन काल से भारतीय मनीषियों एवं आचार्यों के द्वारा भाषा के विविध पक्षों पर सूक्ष्म और वैज्ञानिक दृष्टि से चिंतनकिया गया है। यह पाठ्यचर्या भारतीय भाषिक चिंतन के मूलभूत अवधारणाओं का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत भारतीय भाषा चिंतन के स्वरूप की चर्चा करते हुए भाषा की प्राचीन भारतीय परंपरा के बारे में बताया गया है। इसमें स्पष्ट किया गया है कि किस प्रकार से भारत में भाषा चिंतन की अनेक धाराएँ प्रचलित थीं और उनमें भाषा संबंधी किन-किन पक्षों पर एवं किन-किन रूपों पर चर्चा की गई है, जिससे विद्यार्थी को इसका स्पष्ट बोध हो सके।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भारतीय भाषिक चिंतन का ज्ञान होना।
- भाषायी चिंतन की समृद्ध भारतीय परंपरा का परिचय होना।
- भारतीय वैयाकरणों का भाषिक योगदान एवं उनके भाषायी चिंतन का ज्ञान होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**वैदिक भाषा चिंतन**	**08**	**02**	**01**	**11**	**20%**
1.1	वेदचतुष्टय परिचय	**2**				
1.2	वाक् तत्त्व	**2**				
1.3	वाणी के भेद	**2**				
1.4	पद महत्व , पद विभाजन	**2**		**1**		
मॉड्यूल-2	**ब्राह्मण ,आरण्यक एवं उपनिषदों में भाषिक चिंतन**	**08**	**03**		**11**	**20%**
2.1	पारिभाषिक शब्द	4				

	(धातु,प्रातिपदिक,आख्यात ,लिंग ,वचन इत्यादि)					
2.2	वर्णोच्चारण विचार	4				
मॉड्यूल-3	**शिक्षा एवं प्रातिशाख्य में भाषिक चिंतन**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
3.1	वेदाङ्ग परिचय	2				
3.2	शिक्षा एवं प्रातिशाख्य: लक्षण एवं उद्देश्य शिक्षा ग्रन्थ परिचय प्रातिशाख्य ग्रन्थ परिचय	4	4			
3.3	शिक्षा के षडंग: वर्ण,स्वर,मात्रा,बल,साम और संतान	4				
मॉड्यूल-4	**निरुक्त में भाषिक चिंतन**	**04**	**02**	**1**	**07**	**10%**
4.1	निघण्टु	2				
4.2	निरुक्त (यास्क)	2	3			
मॉड्यूल-5	**व्याकरण में भाषिक चिंतन**	**10**	**04**	**02**	**16**	**25%**
5.1	व्याकरण परिचय	1				
5.2	आचार्य पाणिनि (अष्टाध्यायी,धातुपाठ, गणपाठ ,लिंगानुशासन ,उणादिकोष)	4				
5.3	आचार्य वररुचिएवं वार्तिक, आचार्य पतंजलि एवं महाभाष्य	2	4			
5.4	पाणिनि परवर्ती आचार्य	3		**2**		
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Technques and Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति			✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• द्विवेदी, कपिलदेव (2005). भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • द्विवेदी, कपिलदेव (2008 द्वि.सं.).अर्थ विज्ञान एवं व्याकरण दर्शन, वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • पाठक जमुना (2010). यास्काचार्यप्रणीतं निरुक्तम्. वाराणसी : चौखम्बा संस्कृत सीरीज ऑफिस। • मीमांसक, युधिष्ठिर (1994 प.सं.). संस्कृत व्याकरण शास्त्र का इतिहास, सोनीपत : रामलाल कपूर ट्रस्ट। • चतुर्वेदी श्रीरामाधीन (2005) . संस्कृतभाषाविज्ञानम्,वाराणसी : चौखम्बा विद्या भवन। • व्यास भोलाशंकर (2013) संस्कृत का भाषाशास्त्रीय अध्ययन, वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन।
2	संदर्भ-ग्रंथ	• शास्त्री, भीमसेन, लघुसिद्धान्तकौमुदी ,भैमी व्याख्या , भैमी प्रकाशन, दिल्ली • गोविन्दाचार्य,वैयाकरणसिद्धान्तकौमुदी, चौखम्बा सुरभारती प्रकाशन , वाराणसी, 2010 • पतञ्जलि ,महाभाष्य, प्रदीप उद्योत सहित , सम्पा. आचार्य वेदव्रत , हरियाणा साहित्य संस्थान , झज्जर गुरुकुल , रोहतक , 1962-63 • शास्त्री , शिव नारायण ,महाभाष्य प्रदीप प्रकाश , परिमल प्रकाशन , दिल्ली , 1991
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%A6 • https://hi.wikipedia.org/wiki/निरुक्त • https://hi.unionpedia.org/i/%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4 • https://indianwisdomtradition.blogspot.com/2020/06/blog-post_5.html
4	अन्य	शोध आलेख ,कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान
(Cognitive Linguistics)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S5C2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- V
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	60

पिछले 04 दशकों में मानव मन में भाषिक अंतर्क्रिया को समझने की नवीन दृष्टि के रूप में 'संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान' का तीव्र गति से विकास हुआ है। आज भाषाविज्ञान के क्षेत्र में संज्ञान की बढ़ती उपादेयता को देखते हुए प्रस्तुत पाठ्यचर्या अध्येताओं को 'संज्ञान' के स्वरूप और इसके भाषिक पक्षों से परिचित कराने को ध्यान में रखते हुए सम्मिलित की गई है। 'संज्ञान' का 'भाषा' की 'संरचना' और 'अर्थ' दोनों से ही गहरा संबंध है और भाषा के इन दोनों पक्षों को लेकर संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान के क्षेत्र में प्रचुर मात्रा में काम देखे जा सकते हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या इन सभी का संक्षेप में समावेश करती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

इस पाठ्यचर्या के अध्ययन के उपरांत विद्यार्थी निम्नलिखित बिंदुओं को गहराई से जान सकेंगे:

1. संज्ञान की अवधारणा
2. संज्ञान और भाषा का संबंध
3. संज्ञान और अर्थ का संबंध
4. संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान का भाषाविज्ञान की अन्य शाखाओं के बीच संबंध

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..		
मॉड्यूल-1	**संज्ञान क्या है?**	**06**	**03**	**01**	**10**	**15%**
1.1	संज्ञान का स्वरूप	**1**				
1.2	संज्ञानात्मक विज्ञान (Cognitive Science)	**2**				
1.3	संज्ञान और भाषा (भाषा अर्जन, भाषा अधिगम, भाषा बोधन और भाषा उत्पादन तथा संज्ञान)	**2**				
1.4	संज्ञान और मन	**1**				
मॉड्यूल-2	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान**	**06**	**03**	**01**	**10**	**15%**
2.1	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान : परिचय	**2**	**1**			
2.2	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान की विषयवस्तु	**2**	**1**			
2.3	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान का विकास	**2**	**1**			
मॉड्यूल-3	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान के संदर्भ में भाषा और व्याकरण**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
3.1	भाषा व्यवहार का संज्ञानात्मक पक्ष	**2**	**1**			
3.2	व्याकरण के संज्ञानात्मक अभिगम (Cognitive Approaches to Grammar)	**2**				
3.3	संज्ञानात्मक व्याकरण (Cognitive Grammar)	**2**	**1**			
3.4	रचना व्याकरण (Construction Grammar)	**2**				
3.5	शब्द व्याकरण (Word Grammar)	**2**	**1**			
मॉड्यूल-4	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और अर्थविज्ञान**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
4.1	संज्ञान और अर्थ	**2**	**1**			
4.2	आर्थी निरूपण के संज्ञानात्मक सिद्धांत • वर्गात्मक प्रस्तुति (Categorical Representation) • 'रूपक' (metaphor) और 'रूपकीकरण' (metonymy) • साँचापरक अर्थविज्ञान (Frame semantics)	**4**	**1**			
4.3	सत्य-स्थितिपरक अर्थविज्ञान (Truth-conditional semantics)	**4**	**1**			
मॉड्यूल-5	**संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और भाषाविज्ञान की अन्य शाखाएँ**	**08**	**03**	**01**	**12**	**20%**
5.1	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और मनोभाषाविज्ञान	**2**	**1**			
5.2	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और प्रोक्ति विश्लेषण	**3**	**1**			
5.3	संज्ञानात्मक भाषाविज्ञान और प्रकरणार्थविज्ञान	**3**	**1**			

योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ(Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	Evans, Vyvyan & Melanie Green (2006). Cognitive Linguistics : An Introduction. Edinburgh University Press. Geeraerts, Dirk &Cuyckens, Hubert (2007). The Oxford Handbook of Cognitive Linguistics. Oxford University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- कार्पस भाषाविज्ञान

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S5C3

3. क्रेडिट (Credit)- 04

4. सेमेस्टर (Semester) -V

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	05
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

कार्पस भाषायी डाटा का वह विशाल प्रामाणिक संग्रह है, जिसके आधार पर मशीनी प्रणालियों में स्वचलित भाषा संसाधन संबंधी एल्गोरिद्म विकसित किए जाते हैं। अतः भाषाविज्ञान के अध्येताओं को इस संबंध में संक्षिप्त परिचय आवश्यक है। इसे ही ध्यान में रखते हुए प्रस्तुत पाठ्यचर्या का समावेश किया गया है। इसमें भाषा कार्पस की परिभाषा, कार्पस की विशेषता, भाषिक उपयोग से संबंधित कार्पस के प्रकारों को सम्मिलित किया गया है। इसके साथ ही कार्पस निर्माण प्रकिया को भी स्थान दिया गया है। इस क्रम में कार्पस की उपयोगिता, इसके उपयोगकर्ता, कार्पस आधारित सॉफ्टवेयर एवं कार्पस की सीमाओं का भी समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

प्रस्तुत पाठ्यचर्या के अध्ययन के बाद विद्यार्थी:

1. विद्यार्थी कार्पस के स्वरूप एवं इसके इतिहास से परिचित होंगे।
2. विद्यार्थी कार्पस के प्रकारों को भलीभांति जान सकेंगे।
3. विद्यार्थी कार्पस निर्माण का कार्य एवं इसकी प्रक्रिया से अवगत होंगे।
4. विद्यार्थी भाषाविज्ञान में कार्पस के उपयोग को जान सकेंगे।
5. इसके अलावा विद्यार्थी कार्पस आधारित सॉफ्टवेयर के स्वरूप एवं सीमाओं से भी अवगत होंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**कार्पस तथा कार्पस भाषाविज्ञान**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
1.1	कार्पस क्या है? (कार्पस, कार्पोरा, ट्रीबैंक)	03	**1**			
1.2	कार्पस की विशेषताएँ (निदर्शनीकरण एवं प्रतिनिधित्व, निश्चित आकार, मशीन-पठनीय रूप, मानक संदर्भ)	04	**2**			
1.3	कार्पस भाषाविज्ञान	03	**1**			
मॉड्यूल-2	**कार्पस के प्रकार**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
2.1	**पाठ विधा के आधार पर -**लिखित, वाचिक कार्पस	02	**1**			
2.2	**डाटा के स्वरूप के आधार पर-** सामान्य, विशेष, प्रांतीय भाषा (Sublanguage), नमूना, साहित्यिक, मॉनिटर कार्पस	02	**1**			
2.3	**भाषा के आधार पर -** एकभाषी**,** द्विभाषी, बहुभाषी कार्पस	02	**1**			
2.4	**निर्माण के उद्देश्य के आधार पर –** अनएनोटेटेड, एनोटेटेड कार्पस	02	**1**			
2.5	**अनुप्रयोग के आधार पर- (** अलाईन्ड, सामान्य, संदर्भ, तुलनात्मक कार्पस)	02				
मॉड्यूल-3	**कार्पस निर्माण प्रक्रिया**	**10**	**04**	**02**	**16**	**25%**
3.1	कार्पस के आकार, प्रकार, समयावधि, पाठ	02	**1**			

	प्रकार आदि का निर्धारण					
3.2	पाठ संकलन	02	1			
3.3	पाठ संग्रह एवं इनपुट	02	1			
3.4	डाटा फाइलों का व्यवस्थापन	02				
3.5	कार्पस क्लीनिंग एवं कॉपीराईट की समस्या	02	1			
मॉड्यूल-4	**कार्पस संसाधन प्रक्रिया**	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
4.1	बारंबरता गणना, शब्द छांटना (word sorting)	02	1			
4.2	सुसंगतता (concordance), शाब्दिक संग्रह, क्विक, क्वैक (KWIC, KWAC)	02	1			
4.3	शब्दभेद (POS) टैगिंग, एनोटेशन (Annotation)	03	1			
4.4	पद-विच्छेदन (parsing)	03				
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:
(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि
उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/प्रतिवेदन लेखन	

निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Biber, D., Conrad, S., Reppen R. (1998) **Corpus Linguistics, Investigating Language Structure and Use**, Cambridge: Cambridge UniversityPress. • McEnery, T. and A. Wilson (1996) **Corpus Linguistics,** Edinburgh: Edinburgh University Press.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Bod, Rens et al. (ed) (2003) **Probabilistic Linguistics,** Cambridge, Massachusetts : London The MIT Press. • Botley, S. P., A. M. McEnery, and A. Wilson (ed.) (2000) **Multilingual Corpora in Teaching and Research**. Amsterdam -Atlanta, GA.: Rodopi. • Dash, N. S. (2001) **A Corpus-based Computational Analysis of the Bangla Language**. Doctoral Dissertation. University of Calcutta, Kolkata. (MS). • Dash, N. S. and B. B. Chaudhuri (2000) **The process of designing a multidisciplinary monolingual sample corpus**. International Journal of Corpus Linguistics. 5(2): 179-197. • Jan Svartvik (ed), (1990) **The London Corpus of Spoken English: Description and Research**. Lund Studies in English 82. Lund University Press.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

VI षष्ठ सेमेस्टर

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषाशिक्षण

(Language Teaching)

2. पाठ्यचर्या का कोड – PGDLT-S6C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester) -VI

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	10
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	10
कौशल विकास गतिविधियाँ	
कुल क्रेडिट घंटे	60

भाषाशिक्षण पाठ्यचर्याके मॉड्यूल-1में भाषाशिक्षण की अवधारणा और स्वरूप में भाषाशिक्षण का अर्थ, भाषा अधिगम, भाषाओं के प्रकार, भाषाशिक्षण की प्रक्रिया को सम्मिलित किया गया है। मॉड्यूल-2 में श्रवण, भाषण, वाचन और लेखन आदि भाषा कौशलों को शामिल किया गया है। मॉड्यूल-3 में भाषाओं के प्रकार और उनके शिक्षण को दिया है। इनमें मातृभाषा, द्वितीय भाषा एवं विदेशी भाषा का समावेश किया गया है। मॉड्यूल-4 में भाषाशिक्षण की समस्याओं और उनके निदानों को सम्मिलित किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम

इस मॉड्यूल को पढ़कर विद्यार्थियों में निम्नलिखित अधिगम परिणाम अपेक्षित हैं:

1. भाषाशिक्षण : एक परिचय इस पाठ्यचर्या के अध्ययन से छात्रों में भाषा शिक्षण की आधारभूत अवधारणा का विकास होगा।
2. भाषा के कौशल (श्रवण, भाषण, वाचन लेखन) आदि की समझ विकसित होगी।
3. मातृभाषा, द्वितीय भाषा एवं अन्य भाषाशिक्षण में आनेवाली समस्याएँ पहचानने और उनका निदान करने में विद्यार्थी सक्षम हो पाएंगे।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषाशिक्षण : अवधारणा और स्वरूप**	**08**	**02**	**02**	**12**	20%
1.1	भाषाशिक्षण का अर्थ	**2**				
1.2	भाषाशिक्षण और भाषा अधिगम	**2**				
1.3	भाषाशिक्षण के संदर्भ में भाषाओं के प्रकार	**2**				
1.4	भाषाशिक्षण की प्रक्रिया	**2**				
मॉड्यूल-2	**भाषा कौशल**	**08**	**02**	**02**	**12**	20%
2.1	भाषा कौशल का अर्थ	**1**				
2.2	श्रवण कौशल	**1**				
2.3	भाषण कौशल	**2**				
2.4	वाचन कौशल	**2**				
2.5	लेखन कौशल	**2**				
मॉड्यूल-3	**भाषाओं के प्रकार और उनका शिक्षण**	**08**	**02**	**02**	**12**	20%
3.1	मातृभाषा शिक्षण	**3**				
3.2	द्वितीय भाषा शिक्षण	**2**				
3.3	विदेशी भाषा शिक्षण	**3**				
मॉड्यूल-4	**भाषाशिक्षण : समस्याएँ और निदान**	**08**	**02**	**02**	**12**	20%
4.1	मातृभाषा का व्याघात	**2**				
4.2	समाज सांस्कृतिक संदर्भ	**2**				
4.3	व्यतिरेकी विश्लेषण	**2**				
4.4	त्रुटि विश्लेषण	**2**				
मॉड्यूल-5	**भाषाशिक्षण : प्रक्रिया**	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
मॉड्यूल-6	कंप्यूटर साधित भाषाशिक्षण	**04**	**01**	**01**	**06**	**10%**
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान:

(Approaches,Methods,Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	समन्वित अभिगम, विद्यार्थी केंद्रित अभिगम, संप्रेषणात्मक अभिगम, अनुसरण अभिगम, कार्य-आधारित अभिगमआदि
विधियाँ	व्याख्यान-संवाद, दृष्टांत प्रविधि, समस्या-निराकरण, प्रश्नोत्तरी, प्रायोगिकी एवं ट्यूटोरियल आदि
तकनीक	संगणक समर्थित/साधित अधिगम, फ्लिप्ड कक्षा (**Flipped Classroom**) , ब्लेंडेड अधिगम (**Blended learning**) आदि

उपादान	श्वेत/श्याम पट्ट, **ICT** उपादान, पुस्तकें एवं नोट्स, संगणक प्रयोगशाला, मूडल एवं अन्य ऑनलाइन (वेब आधारित) शिक्षण के प्लेटफार्म आदि

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स :
(Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यचर्या द्वारा पाठ्यक्रम हेतु निर्धारित अधिगम परिणामों को प्राप्त किया जा रहा हो, उनका विवरण निम्नलिखित मैट्रिक्स के रूप में प्रदर्शित किया जाए:

पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	**X**	-	-	**X**	**X**	-	**X**	-

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (25%)					**सत्रांत परीक्षा (75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन (80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	**30%**	**50%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	1. श्रीवास्तव, रविन्द्रनाथ, (2016), भाषा शिक्षण, नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन. 2. शर्मा, एस. आर.(2014), भाषा शिक्षण, नई दिल्ली: नेहा पब्लिशर और डिस्ट्रीब्यूटर. 3. चव्हाण, व्यंकट,(2019), हिंदी भाषा एवं भाषा शिक्षण ,:विकास प्रकाशन. 4. पाण्डेय, राम कमल,(1985), त्रुटी विश्लेषण सिद्धांत एवं व्यवहार, आगरा: केंद्रीय हिंदी संसथान आगरा.
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. पाण्डेय, पी. के.,द्वितीय-भाषा शिक्षण में अभिक्रमित अधिगम की तकनालाजी,(1991),आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान. 2. वर्मा, रामलाल, हिंदी शिक्षण का इतिहास और विकास,(1996),आगरा: केंद्रीय हिंदी संस्थान. 3. सं. बोरा राजमल, भाषाविज्ञान: स्वरूप, सिद्धांत और अनुप्रयोग,(2001),नोएड़ा: मयूर पेपरबैक्स.
3	ई-संसाधन	आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्यख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- कोशविज्ञान
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S6C2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- VI
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

शब्दकोशों का निर्माण एवं रखरखाव (maintenance) भाषा से संबंधित एक महत्वपूर्ण कार्य है। इस कारण 'कोशविज्ञान' एवं 'कोशकला' का भाषाविज्ञान के एक प्रमुख क्षेत्र के रूप में स्थान रहा है। प्रस्तुत पाठ्यचर्या अध्येताओं को कोशविज्ञान के स्वरूप, शब्दकोश और इसके प्रकार, शब्दकोश निर्माण प्रक्रिया का ज्ञान कराने साथ-साथ हिंदी के कुछ प्रमुख कोशों का परिचय भी कराती है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- कोशविज्ञान के अर्थ एवं स्वरूप के साथ-साथ कोश निर्माण प्रक्रिया से अवगत कराना।
- विविध प्रकार के मुद्रित तथा डिजिटल कोशों के निर्माण के दौरान उपस्थित होने वाली समस्याओं/कठिनाइयों के समाधान हेतु यथोचित निर्णय लेने में सक्षम बनाना ताकि वह कोश निर्माण एवं प्रयोग की कला में दक्षता अर्जित कर सके।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**कोशविज्ञान : परिचय**	**08**	**03**	**01**	**12**	**20%**
1.1	कोशविज्ञान का अर्थ एवं परिभाषा	**2**	**1**			
1.2	कोशविज्ञान और शब्दार्थविज्ञान	**2**	**1**			
1.3	शब्दों के विविध प्रकार (समध्वभनि, समानार्थी, विलोम इत्यादि)	**4**	**1**			
मॉड्यूल-2	**कोश के प्रकार**	**08**	**03**	**01**	**12**	**20%**
2.1	भाषा के आधार पर- (i)एकभाषिक (ii)द्विभाषिक (iii)बहुभाषित	**2**	**1**			
2.2	**विशेष प्रयोजनों के आधार पर- 1** (i) पर्यायवाची कोश, उच्चारण कोश,ii) मुहावरा-लोकोक्ति कोश , संदर्भ कोश, परिभाषा कोश iii) शब्दावली1	**2**	**1**			
2.2	**विशेष प्रयोजनों के आधार पर-2** (iii)अध्येता कोश (iv)प्रयोग कोश बृहत कोश, ज्ञान कोश	**1**	**1**			
2.3	i)व्युत्पत्ति कोश (Etymological)कोश (ii)विश्व कोश (iii) थिसारस	**2**				
2.4	ई-कोश	**1**				
मॉड्यूल-3	**कोशनिर्माण की प्रक्रिया**	**10**	**03**	**01**	**14**	**20%**
3.1	(i) पूर्व नियोजन (ii)सामग्री संकलन (लिखित और अलिखित	**5**	**2**			

	भाषाओं हेतु) (i)प्रविष्टियों का चयन (ii)मुख्य शब्द (Head Word) (iii) वर्तनी और उच्चारण					
3.2	(i)व्याकरणिक सूचनाएं (ii)अर्थ, व्याख्या और वर्णन, अर्थक्रम (i)संक्षिप्तियाँ (ii) परिशिष्ट	**5**	**1**			
मॉड्यूल-4	**कोशनिर्माण की चुनौतियाँ (हिंदी के संदर्भ में)**	**07**	**03**	**01**	**11**	**20%**
4.1	(i) मानक वर्तनी,	**1**				
4.2	(ii) व्युत्पत्ति (iii)आगत शब्दों में नुक्ता	**2**	**1**			
4.3	(iv)लिप्यंतरण	**2**	**1**			
4.4	यौगिक शब्द, प्रत्ययुक्त शब्द और पुनरूक्त शब्द की प्रविष्टि	**2**	**1**			
मॉड्यूल-5	**कुछ महत्वपूर्ण कोशों का अवलोकन**	**07**	**03**	**01**	**11**	**20%**
5.1	हिंदी शब्द – सागर, वर्धा हिंदी शब्दकोश आदि।	**3**	**1**			
5.2	(i) Oxford Dictionary & Thesaurus (ii) Encyclopedia Britannica New Webster's Dictionary	**4**	**2**			
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

- ट्यूटोरियल के 20 घंटों में अन्य गतिविधियों के अलावा छात्रागण मुद्रित और डिजिटल शब्दकोश बनाने का व्यावहारिक प्रशिक्षण भी प्राप्त करेगे।

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित अभिगम कक्षागत व्याख्यान एवं संवाद प्रणाली
विधियाँ	व्याख्यान विधि, विवेचनात्मक विधि तथा संवाद विधि
तकनीक	आई.सी.टी.आधरित, शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई .पी. जी. पाठशाला, सहायक सामग्री का प्रयोग श्यामपट का प्रयोग एवं चार्ट निर्माण द्वारा शिक्षण
उपादान	कक्षागत नोटस, आलेख, पत्रिका आलेख, फोटो प्रति आदि।

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- पाश्चात्य भाषा चिंतन
(Western Language Thought)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S6C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- VI

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय 19वीं सदी के अंत में हुआ, किंतु इसकी परंपरा प्राचीन है। यह पाठ्यचर्य भाषाविज्ञान के अध्येता को भाषा अध्ययन की पाश्चात्य परंपरा से परिचित कराती है। इसके अंतर्गत पश्चिमी परंपरा में ग्रीक, रोमन से होते हुए नवजागरण, आधुनिक भाषाविज्ञान का उद्भव और वर्तमान में प्रचलित प्रमुख संप्रदायों का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- पश्चिम में भाषाविज्ञान के ऐतिहासिक विकासक्रम से परिचित होना।
- पश्चिम की आधुनिक भाषा विश्लेषण पद्धतियों का परिचय होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला ..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**पश्चिमी भाषा चिंतन का उद्भव और विकास**	**13**	**03**	04	20	35%
1.1	ग्रीक भाषा चिंतन	**4**	1			
1.2	रोमन भाषा चिंतन	2		**1**		
1.3	विलियम जोंस का योगदान	**3**	**1**	**1**		

1.4	रेनेसां से बीसवीं सदी के आरंभ तक	2	**1**	**1**		
1.5	नववैयाकरण	2		**1**		
मॉड्यूल-2	**सस्यूर और आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय**	**08**	**02**	**02**	**12**	**20%**
2.1	सस्यूर : परिचय एवं पश्चिमी भाषाविज्ञान की पृष्ठभूमि	2				
2.2	संकेत, संकेतक, संकेतित, उपादान और रूप	2	1			
2.3	भाषा व्यवस्था और भाषा व्यवहार, एककालिक और कालक्रमिक अध्ययन	2		1		
2.4	विन्यासकम्री और सहचारक्रमी संबंध	2	1	1		
मॉड्यूल-3	**आधुनिक भाषाविज्ञान के प्रमुख संप्रदाय**	**08**	**04**	**01**	**13**	**20%**
3.1	संरचनावाद	2	1			
3.2	प्राग संप्रदाय	2				
3.3	कोपेनहैगेन संप्रदाय	1	1			
3.4	प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान	1				
3.5	व्यवस्थापरकप्रकार्यात्मक व्याकरण	1	1			
3.6	स्तरपरक व्याकरण	1	1	**1**		
मॉड्यूल-4	**आधुनिक भाषाविज्ञान की प्रमुख विश्लेषण पद्धतियाँ**	11	**02**	**02**	**15**	**25%**
4.1	प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान	**4**	1	1		
4.2	संरचनात्मक भाषाविज्ञान	**4**				
4.3	प्रजनक भाषाविज्ञान	3	**1**	1		
योग		**40**	**11**	**09**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, अभ्यास
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (1993). आधुनिक भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन। • द्विवेदी, कपिलदेव (2005). भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • नगेंद्र (2002). भाषाशास्त्र के सूत्रधार. नोएडा : मयूर पेपरबक्स। • Janson, Tore (2002).Speak : a short history of languages.Oxford University Press. • Robins, R. H. (1997).A short history of linguistics. Routledge.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (2009). भाषाविज्ञान. इलाहाबाद : किताब महल। • नारंग, वैश्वा (1996). सामान्य भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : क्षितिज प्रकाशन। • शर्मा, देवेंद्रनाथ (2001). भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। • Crystal, David (2003). A Dictionary of Linguistics and Phonetics. Blackwell Publishing. • Davies, Anna Morpurgo &Lepschy, Giulio C. (1998). History of Linguistics. Volum Nineteenth-Century Linguistics..Routledge. • Jespersen, Otto (1922). Language; its nature, development and origin. Routledge.
3	ई-संसाधन	• मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि। • https://bharatdiscovery.org/india/%E0%A4%B5%E0%A5%87%E0%A4%A6 • https://hi.wikipedia.org/wiki/निरुक्त https://hi.unionpedia.org/i/%E0%A4%A8%E0%A4%BF%E0%A4%B0%E0%A5%81%E0%A4%95%E0%A5%8D%E0%A4%A4
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत और मॉडल(Modern Linguistic Theories & Models)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S7C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- VII

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

पश्चिम में आधुनिक भाषाविज्ञान का उदय एफ.डी. सस्यूर के उन विचारों से माना जाता है, जिनमें उन्होंने ऐतिहासिक भाषाविज्ञान की जगह वर्णनात्मक भाषाविज्ञान (या एककालिक भाषाविज्ञान) के अध्ययन को भाषाविज्ञान की मूल विषयवस्तु के रूप में बताया। इसके पश्चात वर्णनात्मक भाषाविज्ञान अथवासंरचनात्मक भाषविज्ञान, प्रकार्यात्मक भाषाविज्ञान और अन्य व्याकरणों का विकास हुआ। इसके पश्चात नोएम चॉम्स्की द्वारा भाषा विश्लेषण संबंधी क्रांतिकारी विचार दिए गए जोप्रजनक व्याकरण (या प्रजनक भाषाविज्ञान) के रूप में धीरे-धीरे विकसित हुए हैं। नोएम चॉम्स्कीद्वाराप्रजनक व्याकरण प्रस्तावित करने के बादअनेक व्याकरण (या व्याकरणिक मॉडल) विकसित हुए हैं, जिनमें से शब्दकोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG),सामान्यीकृत पदबंध संरचना व्याकरण (GPSG), शीर्ष संचालित पदबंध संरचना व्याषकरण (HDPSG),कारक व्याकरण (Case Grammar),निर्भरता व्याकरण (Dependency Grammar),वृक्ष संघटन व्याकरण (Tree Adjoining Grammar) आदि प्रमुख हैं। प्रस्तुत पाठ्यचर्या में इन सभी का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- एफ.डी. सस्यूर द्वारा प्रतिपादित भाषा संबंधी प्रमुख अवधारणाओं काज्ञान होना।
- आधुनिक भाषाविज्ञान के प्रमुख संप्रदायों का परिचय होना।
- नोएम चॉम्स्कीद्वारा प्रस्तावित प्रजनक व्याकरण और इसके विभिन्न सोपानों की समझ विकसित होना।
- नोएम चॉम्स्कीके 'प्रजनक व्याकरण' के बाद विकसित प्रमुख व्याकरणों (या व्याकरणिक मॉडलों) का परिचय होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**चॉम्स्की और रूपांतरक प्रजनक व्याकरण**	**08**	**02**	**02**	**12**	**25%**
1.1	नोएम चॉम्स्की : एक परिचय	01				
1.2	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की पृष्ठभूमि (संरचनावाद को चुनौती)	02	**1**			
1.3	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-01 (भाषा, व्याकरण, नियम)	02		01		
1.4	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-02 (आंतरिक संरचना और बाह्य संरचना, प्रजनकता, रूपांतरण)	02	**1**			
1.5	रूपांतरक प्रजनक व्याकरण की महत्वपूर्ण संकल्पनाएँ-03 (भाषिक सृजनशीलता (Linguistic Creativity), सार्वभौमता का सिद्धांत (Theory of Universalism))	01		01		
मॉड्यूल-2	**रूपांतरक प्रजनक व्याकरण के विभिन्न चरण**	**08**	**01**	**02**	**11**	**25%**
2.1	क्लासिकी सिद्धांत &1957 (Classic Theory)	02		01		
2.2	मानक सिद्धांत & 1965 (Standard Theory)	01				
2.3	विस्तारित मानक सिद्धांत (Extended Standard Theory)	02				
2.4	अनुशासन अनुबंध व्याकरण (Government and Binding Grammar)	02				
2.5	न्यूनतमवादी कार्यक्रम (Minimalist Programme)	01		01		
मॉड्यूल-3	**कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG)**	**04**	**01**	**01**	**06**	**08%**
3.1	कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG) : एक परिचय	**02**				
3.2	कोशीय प्रकार्यात्मक व्याकरण (LFG) की प्रमुख संकल्पनाएँ(सी.संरचना, एफ. संरचना, एफ संरचना पर सुनिर्मितता शर्तें आदि)	**02**				
मॉड्यूल-4	**सामान्यीकृत पदबंध संरचना व्याकरण (GPSG)**	**04**	**02**	**01**	**07**	**10%**
मॉड्यूल-5	**शीर्ष संचालित पदबंध संरचना व्याकरण (HDPSG)**	**04**	**01**	**01**	**06**	**08%**
मॉड्यूल-6	**कारक व्याकरण (Case Grammar)**	**04**	**01**	**01**	**06**	**08%**
मॉड्यूल-7	**निर्भरता व्याकरण (Dependency Grammar)**	**04**	**01**	**01**	**06**	**08%**
मॉड्यूल-8	**वृक्ष संलग्नक व्याकरण (Tree**	**04**	**01**	**01**	**06**	**08%**

	Adjoining Grammar)					
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• तिवारी, भोलानाथ (1993). आधुनिक भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : लिपि प्रकाशन। • नगेंद्र (2002). भाषाशास्त्र के सूत्रधार. नोएडा : मयूर पेपरबक्स। • प्रसाद, धनजी (2016). भाषा विश्लेषण और संबंधपरक व्याकरण (पृ. 05-11) 'भाषा, अनुवाद और प्रौद्योगिकी', संपादक- मेघा आचार्य, शिल्पा, मुंबई. ट्रांसफ्रेम क्रिएशन। • ---- ---- (2016). यू.जी.सी.–एम.एच.आर.डी. द्वारा प्रायोजित ई.पी.जी.-पाठशाला के अंतर्गत इकाइयाँ- रचनांतरणपरक प्रजनक व्याकरण के विविध सोपान, प्रमुख आधुनिक परवर्ती व्याकरण। • Bloch, B. & Trager, G.L. (1942). Outline of Linguistic Analysis. Baltimore. • Dybkjaer, Laila &Hemsen, Holmer&Minker, Wolbgang (2007). Evolution of Text and Speech Systems (Text, Speech and Language Series). Netherlands : Springer.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• द्विवेदी, कपिलदेव (2005). भाषा-विज्ञान एवं भाषा-शास्त्र. वाराणसी : विश्वविद्यालय प्रकाशन। • नारंग, वैश्वा (1996). सामान्य भाषाविज्ञान. नई दिल्ली : क्षितिज प्रकाशन। • रस्तोगी, डॉ. कविता (2000). समसामयिक भाषविज्ञान. सुलभ प्रकाशन, लखनऊ। • शर्मा, देवेंद्रनाथ (2001). भाषाविज्ञान की भूमिका. राधाकृष्ण प्रकाशन प्राइवेट लिमिटेड, नई दिल्ली। • Allen, J.P. and Buren, P.V. (eds.) (1971). Chomsky : selected readings,. London : Oxford University Press. • Chomsky, Noam (1957). Syntactic Structures. The Hague: Mouton.

- --- ---- (1962). 'Phonology in generative grammar'. in Word.
- --- ---- (1965). Aspects of the Theory of Syntax. Cambridge: The MIT Press.
- --- ---- (1968). with Morris Halle. Sound Pattern of English. New York: Harper and Row.
- --- ---- (1968). Language and Mind. New York: Harcourt Brace & World, Inc.
- --- --- (1970). Remarks on Nominalization." In Readings in English Transformational Grammar, edited by R. Jacobs and P. Rosenbaum, 184-221. Waltham, Massachusetts: Blaisdell Publishing.
- Asudeh, Ash &Toivonen, Ida (2009). Lexical-Functional Grammar. The Oxford Handbook of Linguistic Analysis. Oxford: Oxford University Press.
- Bresnan, Joan (2001). Lexical-Functional Syntax. Blackwell.
- Bresnan, Joan (ed.) (1982). The Mental Representation of Grammatical Relations. MIT Press, Cambridge, Massachusetts.
- Bresnan Joan &Kanerva, J. M. (1989). Locative Inversion in Chichewa: A Case Study of Factorization in Grammar. In: LIn 20.1: 1-50.
- Green, Georgia M. (1985). The Description of Inversions in Generalized Phrase Structure Grammar. In Proceedings of the Eleventh Annual Meeting of the Berkeley Linguistics Society. pp. 117-145
- Ramsay, Allan (1985). Effective Parsing With Generalised Phrase Structure Grammar. (स्रोत- https://www.aclweb.org/anthology/E85-1008).
- Ristad, Eric Sven. (1989). Computational Structure of GPSG Models: Revised GPSG. MIT Artificial Intelligence Lab.
- Haque, Nafid (2006). Design of Head-Driven Phrase Structure Grammar for Bangla. BRAC University, Dhaka, Bangladesh.
- Levine, Robert D. &Meurers, W. Detmar (2006). Head-Driven Phrase Structure Grammar: Linguistic Approach, Formal Foundations, and Computational Realization. In: Encyclopedia of Language and Linguistics. Keith Brown (ed.). Oxford: Elsevier.
- Debusmann, Ralph (2000). An Introduction to Dependency Grammar. Universitat des Saarlandes.
- Hays, D. (1964). Dependency theory: A formalism and some observations. Language, 40: 511-525. Reprinted in Syntactic Theory 1, Structuralist, edited by Fred W. Householder. Penguin, 1972.
- Hudson, R.A. (1984). Word grammar (1. publ. ed.). Oxford, OX, England: B. Blackwell.
- ---- ---- (1990). English Word Grammar, B. Blackwell, Oxford/UK.
- Liu, H. (2009). Dependency Grammar: from Theory to Practice. Beijing: Science Press.
- Grammar for English. Department of Computer & Information Science Technical Reports (CIS), University of Pennsylvania.
- Joshi, Aravind & Owen Rambow (2003). A Formalism for Dependency Grammar Based on Tree Adjoining Grammar. Proceedings of the Conference on Meaning-Text Theory.
- Jurafsky, Daniel & Martin, James H. (2000). Speech and Language Processing. Upper Saddle River, NJ: Prentice Hall. p. 354.
- Shanker, K. Vijay & Joshi, Aravind K. (1991). Unification-Based Tree Adjoining Grammars. Department of Computer & Information Science Technical Reports (CIS), University of Pennsylvania.

		• The XTAG Research Group, A Lexicalized Tree Adjoining Grammar for English (http://www.cis.upenn.edu/~xtag/tech-report/) • Walter Anthony Cook (1989). Case Grammar Theory. Georgetown University Press. • Fillmore, Charles J. (1968). The Case for Case. In Bach and Harms (ed.): Universals in Linguistic Theory. New York: Holt, Rinehart, and Winston, 1-88. • • Fillmore, Charles J. (1970). Improvements in Case Grammar. In : Language and Linguistic Working Papers (ed.) W. A. Cook. Washington : Georgetown University Press.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- प्रोक्ति-विश्लेषण और प्रकरणार्थविज्ञान
(Discourse Analysis and Pragmatics)

(Indian Linguistic Thought)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S7C2
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- VII
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**प्रोक्ति और प्रकरणार्थविज्ञान (Discourse and Pragmatics)**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**

1.1	प्रोक्ति की अवधारणा	**2**	**1**			
1.2	प्रोक्ति और पाठ	**2**	**1**			
1.3	प्रकरणार्थविज्ञान	**2**	**1**			
1.4	प्रोक्ति के पक्ष : पाठ, संदर्भ और प्रकार्य (text, context and function)	**2**				
1.5	प्रकरणार्थविज्ञान	**2**	**1**			
मॉड्यूल-2	**प्रोक्ति और** पाठ बाह्य संदर्भ (Context Outside Text)	**10**	**04**	**02**	**16**	**25%**
2.1	स्थित्यात्मक संदर्भ (Situational Context)	2	**1**			
2.2	पृष्ठभूमिक ज्ञान संदर्भ (Background Knowledge Context)	3	**1**			
2.3	सांस्कृतिक सामान्य ज्ञान (Cultural General Knowledge)	2	**1**			
2.4	अंतरवैयक्तिक ज्ञान (Interpersonal Knowledge)	3	**1**			
मॉड्यूल-3	**प्रोक्ति और** पाठगत संदर्भ (Textual Context)	**10**	**03**	**01**	**14**	**25%**
3.1	व्याकरणिक संसक्ति (Grammatical Cohesion)	5	**1**			
3.2	कोशीय संसक्ति (Lexical Cohesion)	5	**2**			
मॉड्यूल-3	**प्रोक्ति के पक्ष**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
4.1	सहपाठ(Co-Text), अंतरपाठ (Intertext)	2	**1**			
4.2	वाक् व्यापार (Speech Act)	3	**1**			
4.3	प्रासंगिकता का सिद्धांत (Theory of Relevance)	2	**1**			
4.4	सहकारिता सिद्धांत (Cooperative Principle)	3	**1**			
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान(Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix) :

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)	**मौखिकी (20%)**

घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	
2	संदर्भ-ग्रंथ	1. Levinson S.C. (1983). *Pragmatics*. Cambridge: Cambridge University Press. 2. Miller, G. & Johnson-Laird, P. (1976). *Language and perception*. Cambridge, Mass.: Harvard University Press. 3. Platts, M. (1979). *Ways of meaning*. London: Routledge and Kegan Paul. 4. Raja, K. Kunjunni. (1963). Indian Theory of Meaning, Madras : Adyar Library and Research Centre.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

घटक	**घंटे**
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा नियोजन और भाषा प्रबंधन
(Language Planning & Language Management)

(Indian Linguistic Thought)
2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG-S7C3
3. क्रेडिट (Credit) - 04
4. सेमेस्टर (Semester)- VII
5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- ।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**			**कुल घंटे**	**कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश**
		व्याख्यान	**ट्यू.** (यदि अपेक्षित हैं)	**संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..**		
मॉड्यूल-1	**भाषा नियोजन**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
1.1	भाषा नियोजन क्या है?	**2**	**1**			
1.2	भाषा नियोजन की आवश्यकता	**2**	**1**			
1.3	भाषा नियोजन संबंधी समाजभाषिक स्थितियाँ-	**3**	**1**			

	द्विभाषिकता/बहुभाषिकता, भाषा प्रभुत्व, भाषा निष्ठा आदि					
1.4	भाषा नियोजन और मानकीकरण	**3**	**1**			
मॉड्यूल-2	**भाषा नियोजनके क्षेत्र**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
2.1	स्थिति नियोजन (Status planning)	**3**	**1**			
2.2	कॉर्पस नियोजन (Corpus planning)	**3**	**1**			
2.3	अर्जन नियोजन (Acquisition planning)	**4**	**2**			
मॉड्यूल-3	**भाषा नियोजन के समस्या क्षेत्र**	**10**	**03**	**02**	**15**	**25%**
3.1	कोड निर्धारण (Code Selection)	**2**	**1**			
3.2	कोड स्थैर्य(Code Stability)	**2**	**1**	**1**		
3.3	कोड विस्तार(Code Expansion)	**3**	**1**			
3.4	कोड विभेदीकरण (Code Differenciation)	**3**	**1**	**1**		
मॉड्यूल-4	**भाषा नियोजन का भारतीय संदर्भ**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
4.1	भारत का भाषिक परिदृश्य	**2**	**1**			
4.2	भारत में भाषा नियोजन की आवश्यकता	**2**	**1**			
4.3	भाषा नियोजन संबंधी किए गए प्रयास	**2**	**1**			
4.4	भारत में भाषा नियोजन की समकालीन स्थिति और हिंदी	**2**	**1**			
4.3	भारत में भाषा नियोजन संबंधी संभावनाएँ और चुनौतियाँ	**2**				
4.4						
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन (Language Technology and NLP)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S8C1

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- VIII

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

प्रस्तुत पाठ्यचर्या भाषा और प्रौद्योगिकी के संयोग से उत्पन्न नवीन क्षेत्र 'भाषा प्रौद्योगिकी' से विद्यार्थियों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत सर्वप्रथम भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप की बात करते हुए प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का समावेश किया गया है। चूँकि प्राकृतिक भाषा संसाधन की प्रक्रिया मशीन (कंप्यूटर) पर संपादित की जाती है, इसलिए आगे इसकी मशीनी प्रक्रिया की बात करते हुए अगले मॉड्यूल में प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों का परिचय दिया गया है। अंत में प्राकृतिक भाषा संसाधन हेतु आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं की ओर संकेत किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- भाषा प्रौद्योगिकी की अवधारणा और स्वरूप का ज्ञान होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की अवधारणा और इसकेप्रकारों का परिचय होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन की मशीनी प्रक्रिया और इसके लिए आवश्यक मशीनी और भाषायी इकाइयों/व्यवस्थाओं का बोध होना।
- प्राकृतिक भाषा संसाधन केअनुप्रयोग क्षेत्रों से परिचित होना।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल	**विवरण**	**निर्धारित अवधि (घंटे में)**		**कुल पाठ्यचर्या**

संख्या एवं नाम		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)	कुल घंटे	में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
मॉड्यूल-1	**भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा और स्वरूप**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
1.1	भाषा प्रौद्योगिकी: अवधारणा(Language Technology :Concept)	2	**1**			
1.2	भाषा प्रौद्योगिकी: लक्ष्य एवं वर्तमान सीमाएँ (Language Technology : Targets and Current Limitations)	2	**1**			
1.3	भाषा प्रौद्योगिकी का वर्तमान परिदृश्य: भारतीय एवं वैश्विक (Current aspects of LT : Indian and Global Perspectives)	3				
1.4	भाषा प्रौद्योगिकी और अन्य संबंधित विषय (Language Technology and other related Disciplines)	3				
मॉड्यूल-2	**प्राकृतिक भाषा संसाधन : अवधारणा और प्रकार**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
2.1	प्राकृतिक भाषा संसाधन: अवधारणा(Natural Language Processing:Concept)	2				
2.2	पाठ संसाधन (Text Processing), वाक् संसाधन (Speech Processing)	2				
2.3	शब्द संसाधन (Word-processing), वाक्य संसाधन (Sentence Processing), पाठ संसाधन (Text Processing)	2				
2.4	नियम आधारित (Rule Based) औरकार्पस आधारित (Corpus Based) उपागम	2				
2.5	विश्लेषण (Analysis) और प्रजनन (Generation)	2				
मॉड्यूल-3	**प्राकृतिक भाषा संसाधन : अनुप्रयोग क्षेत्र**	**14**	**04**	**01**	**19**	**30%**
3.1	मशीनी अनुवाद (Machine Translation)	2				
3.2	पाठ से वाक् और वाक् से पाठ (TTS & STT)	2				
3.3	ओ.सी.आर. (OCR)	2				
3.4	संगणकीय कोश (Computational lexicon)	2				
3.5	लिप्यंतरण (Transliteration)	1				
3.6	सूचना प्रत्यानयन (Information Retrieval)	2				
3.7	पाठ सारांशीकरण (Text Summarization)	1				
3.8	संगणक साधित भाषा अधिगम/शिक्षण (CALLearning/Teaching)	1				
3.9	प्रश्न उत्तर प्रणालियाँ (Question Answering Systems)	1				
मॉड्यूल-4	**प्राकृतिक भाषा संसाधन: आवश्यकताएँ**	**06**	**03**	**02**	**11**	**20%**
4.1	प्रोग्रामिंग भाषा	1	**1**			
4.2	डाटाबेस प्रबंधन प्रणाली	2	**1**	**1**		
4.3	व्याकरणिक मॉडल	1	**1**			
4.4	मशीनी अधिगम संबंधी मॉडल	2		**1**		

योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			**मौखिकी (20%)**
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• Bharati, A. Chaitanya, V. &Sangal, R. (1995). *Natural Language Processing: A Paninian perspective*. New Delhi: Prentice-Hall of India. • Bird, S., Klein, E. &Loper, E. (2009). *Natural Language Processing with Python Analyzing Text with the Natural Language Toolkit*. Sebastopol: O' Railly Media. • Date, C.J. (2003). *An Introduction to Database Systems*. Boston: Addison-Wesley. • Heinrich, S. ed. (1999). *Foundations of Statistical Natural Language Processing*. Cambridge: MIT Press. • Jurafsky, D. & Martin, J.H. (2008). *Speech and language processing: an introduction to natural language processing, computational linguistics, and speech recognition*. N.J.: Pearson. • NPTEL: Prof. Pushpak Bhattacharya online course on NLP • Silberschatz, A., Korth, H. & Sudarshan, S. (2010). *Database System Concepts*. N.Y.: McGraw-Hill Education. • XTAG REPORT, http://www.cis.upenn.edu/~xtag/ • प्रसाद, धनजी.(2011). भाषाविज्ञान का सैद्धांतिक, अनुप्रयुक्तएवं तकनीकी पक्ष. नई दिल्ली :प्रिय साहित्य सदन. • ... . (2019). हिंदी का संगणकीय व्याकरण, नई दिल्ली : राजकमल प्रकाशन। • मल्होत्रा, विजय कुमार. (1998). *कम्प्यूटर के भाषिक अनुप्रयोग*.नई दिल्ली: वाणी प्रकाशन.

2	संदर्भ-ग्रंथ	
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- भाषा सर्वेक्षण
(Language Survey)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S8C2

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- VIII

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	**40**
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	**15**
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	**-**
कौशल विकास गतिविधियाँ	**05**
कुल क्रेडिट घंटे	**60**

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

भाषा सर्वेक्षण भारत जैसे भाषिक विविधता वाले देश की आवश्यकता है। भाषा सर्वेक्षण के लिए ऐसे विद्यार्थियों की आवश्यकता होती है, जिन्हें भाषाविज्ञान का समुचित सैद्धांतिक और व्यावहारिक ज्ञान हो। एक भाषाविज्ञान का विद्यार्थी ही भाषा सर्वेक्षण का वास्तविक क्रियान्वयक हो सकता है। इसके लिए उसे भाषा सर्वेक्षण संबंधी आधारभूत ज्ञान होनाचाहिए। प्रस्तुत पाठ्यचर्या इसी दृष्टि से तैयार की गई है। इसमें भाषा सर्वेक्षण के स्वरूप, भारत के भाषायी परिदृश्य समेत सभी आवश्यक बातों का समावेश किया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी भाषा सर्वेक्षण की अवधारणा और आवश्यकता से परिचित हो सकेगा।
- भारत के भाषायी संदर्भ में भाषा सर्वेक्षण संबंधी व्यावहारिक ज्ञान और कौशल प्राप्त कर सकेगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**भाषा सर्वेक्षण : परिचय**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
1.1	भाषा सर्वेक्षण क्या है?	02				
1.2	भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता	02	01			
1.3	भाषा सर्वेक्षण के अंग	02				
1.4	भाषा सर्वेक्षण हेतु आवश्यकताएँ	02	01			
1.5	भाषा सर्वेक्षण और बोली वर्णन	01	01			
1.6	भाषा सर्वेक्षण और भाषा भूगोल	01	01			
मॉड्यूल-2	**भारत का भाषायी परिदृश्य**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**
2.1	भारत : एक भाषायी क्षेत्र	02	01			
2.2	भारतीय भाषाओं में अंतःसंबंध	02	01			
2.3	भारतीय समाज में द्विभाषिकता और बहुभाषिकता	03	01			
2.4	भारत का भाषायी परिवेश और भाषा सीमा	03	01			
मॉड्यूल-3	**भारत में भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता**	**10**	**04**	**01**	**15**	**25%**

3.1	जार्ज ग्रियर्सन का भाषा सर्वेक्षण	02	01			
3.2	जार्ज ग्रियर्सन के भाषा सर्वेक्षण की सीमाएँ	02	01			
3.3	नए भाषा सर्वेक्षण की आवश्यकता	02	01			
3.4	नए भाषा सर्वेक्षण से लाभ	02				
3.5	भाषा सर्वेक्षण के संदर्भ भारत की समाजसांस्कृतिक एकता का महत्व	02	01			
मॉड्यूल-4	**भाषा सर्वेक्षण प्रक्रिया**	**10**	**03**	**02**	**15**	**25%**
4.1	उद्देश्य एवं प्रकार का निर्धारण	02	**01**			
4.2	सर्वेक्षण माध्यमों एवं उपकरणों का चयन (अभिसूचक कार्ड, आवृत्ति तालिका, रिकार्डकर, स्मार्टफोन, लैपटॉप आदि)	01	**01**			
4.3	सर्वेक्षण पद्धति	01				
4.4	अन्वेषक, योग्यता एवं चयन के आधार	01		**01**		
4.5	अन्वेषण प्रणाली	01				
4.6	सर्वेक्षण सामग्री और उसका संकलन (क्षेत्रीय विविधता एवं एकरूपता को समाहित करने के आलोक में)	01	**01**			
4.7	स्वनिक लिप्यंकन	01				
4.8	विश्लेषण (स्वनिमिक, आक्षरिक, रूपिमिक, वाक्यात्मक, कोशगत तथा अर्थगत)	01		**01**		
4.9	प्रस्तुति (प्रतिकृति-प्रस्तुति, सारणीबद्ध-प्रस्तुति, मानचित्र-प्रस्तुति, अभ्युक्तियुक्तप्रस्तुति, समभाषांश-सीमारेखा आदि)	01	**01**			
योग		**40**	**15**	**05**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स (Course Learning Outcome Matrix):

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓	✓	✓				

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					**सत्रांत परीक्षा 75%)**
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	

पूर्णांक	25	75

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30%	50%	20%

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	पाठ्य-सामग्री	विवरण (APA प्रारूप में)
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	उप्रेती, मुरारीलाल. (1999). भाषा-सर्वेक्षण : सिद्धांत और व्यवहार. बिहार राष्ट्रभाषा परिषद।
2	संदर्भ-ग्रंथ	ना.प्र.स. ग्रियसन-(1959) भारत का भाषा सर्वेक्षण, प्रकाशन शाखा, सूचना विभाग उ.प्र. शर्मा,
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग़, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

1. पाठ्यचर्या का नाम- शैलीविज्ञान(Stylistics)

2. पाठ्यचर्या का कोड – GLG- S8C3

3. क्रेडिट (Credit) - 04

4. सेमेस्टर (Semester)- VIII

5. पाठ्यचर्या विवरण (Description of Course)

घटक	घंटे
कक्षा/ऑनलाइन व्याख्यान	40
ट्यूटोरियल/संवाद कक्षा	15
व्यावहारिक/प्रयोगशाला स्टूडियो/क्षेत्रकार्य	-
कौशल विकास गतिविधियाँ	05
कुल क्रेडिट घंटे	60

प्रस्तुत पाठ्यचर्या शैली और शैलीविज्ञान के विविध पक्षों का परिचय कराती है। इसके अंतर्गत प्रथम दो मॉड्यूलों में शैली तथा शैलीविज्ञानके अर्थ और स्वरूप को बताया गया है। इसके बादशैली-विश्लेषणके प्रतिमानों की बात करते हुए शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तरों को रखा गया है। पाँचवें मॉड्यूल में शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेदों की बात करते हुए अंत मेंशैली-विश्लेषण और भारतीय काव्यशास्त्र का परिचय दिया गया है।

6. अपेक्षित अधिगम परिणाम (Course Learning Outcomes-CLOS)

- विद्यार्थी को शैली तथा शैलीविज्ञानके अर्थ और स्वरूप का बोध होगा।
- शैली-विश्लेषणके प्रतिमानों तथा शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तरों का ज्ञान होगा।
- शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेदों तथा शैली-विश्लेषणकेभारतीय काव्यशास्त्र संबंधी पक्षका परिचय प्राप्त होगा।
- शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण का कौशल विकसित होगा।

7. पाठ्यचर्या की अंतर्वस्तु (Contents of the Course)

मॉड्यूल संख्या एवं नाम	विवरण	निर्धारित अवधि (घंटे में)			कुल घंटे	कुल पाठ्यचर्या में प्रतिशत अंश (Percentage share to the Course)
		व्याख्यान	ट्यूटोरियल (यदि अपेक्षित हैं)	संवाद/ प्रशिक्षण/ प्रयोगशाला..(Interaction/ Training/ Laboratory)		
मॉड्यूल-1	**शैली : अर्थ, परिभाषा और स्वरूप**	**06**	**02**	**01**	**09**	**15%**
1.1	शैली : परिभाषा और स्वरूप	02	01	01		

1.2	बर्हिर्निष्ठ और अंतर्निष्ठ शैली	01				
1.3	शैली और संप्रेषणीयता	01				
1.4	शैली और वाग्मिता	01				
1.5	शैली और विधा	01	01			
मॉड्यूल-2	**शैलीविज्ञान**	**05**	**02**	**02**	**09**	**15%**
2.1	शैलीविज्ञान की परिभाषा, क्षेत्र और स्वरूप	02	01	01		
2.2	शैलीवैज्ञानिक समीक्षा	03	01	01		
मॉड्यूल-3	**शैली-विश्लेषणके प्रतिमान**	**11**	**03**	**03**	**17**	**30%**
3.1	**अग्रप्रस्तुति(Foregronding)**	08	02	03		
	विचलन (Deviation)					
	समानांतरता (Parallelism)					
	विपथन (Deflection)					
	विरलता (Rareness)					
3.2	**शैलीचिह्नक (Style marker)**	03	01			
मॉड्यूल-4	**शैलीवैज्ञानिक विश्लेषण के स्तर**	**10**	**01**		**11**	**20%**
4.1	स्वनिमिक स्तर	02				
4.2	कोशीय स्तर	02				
4.3	वाक्यात्मक स्तर	02				
4.4	पाठगत स्तर	02				
4.5	अर्थगत स्तर	02	01			
मॉड्यूल-5	**शैलीवैज्ञानिक अध्ययन के भेद**	**04**	**01**	**02**	**07**	**10%**
5.1	भाषावैज्ञानिक शैलीविज्ञान	01	01			
5.2	साहित्यिक शैलीविज्ञान	02		01		
5.3	संरचनात्मक शैलीविज्ञान	01		01		
मॉड्यूल-6	**शैली-विश्लेषण और भारतीय काव्यभशास्त्र**	**04**	**01**	**02**	**07**	**10%**
6.1	रीति	01	01			
6.2	अलंकार	01				
6.3	वक्रोक्ति	01		01		
6.4	ध्वनि	01		01		
योग		**40**	**10**	**10**	**60**	**100%**

8. शिक्षण अभिगम, विधियाँ, तकनीक एवं उपादान (Approaches, Methods, Techniquesand Tools of Teaching)

अभिगम	विद्यार्थी केंद्रित
विधियाँ	व्याख्यान, कक्षाध्यापन पर चर्चा, अभ्यास, विद्यार्थियों के बीच वार्ता और अंतरक्रिया
तकनीक	कक्षाध्यापन, ऑनलाइन शिक्षण,तकनीकी प्लेटफॉर्म से सामग्री उपलब्ध कराना, व्याख्या, प्रत्यक्ष अभ्यास, प्रयोगशाला में अभ्यास, होमवर्क, ट्यूटोरियल,
उपादान	प्रत्यक्ष कक्षा, ऑनलाइन प्लेटफॉर्म (जैसे- गूगल मीट), मूडल, पुस्तकालय, प्रयोगशाला, अन्य उपलब्ध ऑनलाइन संसाधन

9. पाठ्यचर्या अधिगम परिणाम (CLOs) की मैट्रिक्स : (Course Learning Outcome Matrix)

पाठ्यक्रम लक्ष्य	लक्ष्य 1	लक्ष्य 2	लक्ष्य 3	लक्ष्य 4	लक्ष्य 5	लक्ष्य 6	लक्ष्य 7	लक्ष्य 8
पाठ्यचर्या द्वारा नियोजित अधिगम परिणाम की प्राप्ति	✓	✓						

10. मूल्यांकन/ परीक्षा योजना (Evaluation/Examination Planning):

क. सैद्धांतिक पाठ्यचर्या का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(25%)					सत्रांत परीक्षा 75%)
घटक	कक्षा में सतत मूल्यांकन	उपस्थिति	सेमिनार*	सत्रीय-पत्र#	
निर्धारित अंक	05	05	07	08	
पूर्णांक	**25**				**75**

*विद्यार्थी द्वारा तीन सेमिनार प्रस्तुतियों में से दो उत्तम हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा

#विद्यार्थी द्वारा प्रस्तुत तीन सत्रीय पत्र में से दो उत्तम पत्र हेतु प्राप्त अंकों के औसत के आधार पर मूल्यांकन किया जाएगा।

ख. परियोजना कार्य/प्रयोगशाला/ स्टूडियो/क्षेत्र-कार्य का मूल्यांकन

आतंरिक मूल्यांकन(80%)			मौखिकी (20%)
घटक	क्षेत्र-कार्य/प्रशिक्षण आधारित प्रस्तुतीकरण	परियोजना/ प्रतिवेदन लेखन	
निर्धारित अंक प्रतिशत	30**%**	50**%**	**20%**

11.अध्ययन हेतु आधार/संदर्भ ग्रंथ (Textbooks/Reference/Resources)

क्र. सं.	**पाठ्य-सामग्री**	**विवरण (APA प्रारूप में)**
1	आधार/पाठ्य ग्रंथ	• कुमार, सुरेश. (2001). शैली विज्ञान, नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • तिवारी, भोलानाथ. (2011). शैलीविज्ञान, दिल्ली : किताबघर प्रकाशन. • मिश्र, विद्यानिवास. (1973). रीतिविज्ञान, दिल्ली : राधाकृष्ण प्रकाशन. • शीतांशु, पाण्डेसय शशिभूषण. (1995). शैली और शैलीविश्ले षण, नयी दिल्ली : वाणी प्रकाशन. • श्रीवास्त.व, रवींद्रनाथ. (1979). संरचनात्मिक शैलीविज्ञान. दिल्लीर : आलेख प्रकाशन.
2	संदर्भ-ग्रंथ	• Chapman, R. (1973) Linguistics and Literature : An Introduction to Literary Stylistics. Littlefield, Adams. • Bradford, R. (1997). Stylistics. London: Routledge • Turner, G.W. (1973). Stylistics. London: Penguin.
3	ई-संसाधन	मूडल, वेबसाइट, ब्लॉग, आई.सी.टी. आधारित शिक्षण, शिक्षा आधारित ऐप का प्रयोग, ई.पी.जी. पाठशाला एवं यूट्यूब द्वारा ऑनलाइन विडियो एवं व्याख्यान आदि।
4	अन्य	कक्षागत नोट्स आदि।

****

ऑनर्स /अनुसंधान

सप्तम सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S7C1	04 क्रेडिट	आधुनिक भाषावैज्ञानिक सिद्धांत और मॉडल (Modern Linguistic Theories & Models)	**ऑनर्स /अनुसंधान**
		GLG-S7C2	04 क्रेडिट	शोध प्रविधि (Research Methodology)	
		GLG-S7C3	04 क्रेडिट	शोध परियोजना (Research Project)	
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		
अष्ट सेमेस्टर	मूल (core)	GLG-S8C1	04 क्रेडिट	भाषा प्रौद्योगिकी और प्राकृतिक भाषा संसाधन (Language Technologyand NLP)	
		GLG-S8C2	04 क्रेडिट	भाषा सर्वेक्षण (Language Survey)	
		GLG-S8C3	04 क्रेडिट	भाषाविज्ञान में शोध (Research Methodology in Linguistics)	

	परियोजना कार्य सप्तम सेमेस्टर से जारी।				
	ऐच्छिक (elective)		08 क्रेडिट		